मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार , 11 मई 2026

संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 236 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ मूडीज नहीं, कई तथ्य हैं मोदी सरकार में भारत की आर्थिक मजबूती के

सलमान खान ने टोपी का जिक्र करके फैंस को दी खास सलाह ◀◀ 6

हाईकोर्ट ने धनबाद एसएसपी से मांगी केस की स्टेटस रिपोर्ट, जांच तेज करने का निर्देश

संवाददाता

रांची : एक क्रिमिनल अपील की सुनवाई के दौरान एक वायरल वीडियो के संबंध में सोमवार को कोर्ट के आदेश के आलोक में धनबाद एसएसपी हाईकोर्ट में सशरीर हाजिर हुए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया पीड़िता की शिकायत के आलोक में मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. कोर्ट ने ररढ का पक्ष जानने के बाद अगली सुनवाई में उपस्थित से छूट प्रदान करते हुए 11 जून सुनवाई की तिथि निर्धारित की है. हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने ररढ को निर्देश दिया कि वह इस मामले की अनुसंधान तेज करें. अगली सुनवाई में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें। अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह ने पक्ष रखा।

इससे पहले खंडपीठ के समक्ष यह बात आई कि युवती का वायरल वीडियो झारखंड की बजाय दूसरे राज्य (गुजरात) से वायरल हुआ है. कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताते हुए कहा कि पुलिस को इस वायरल वीडियो को तत्काल डिलीट करने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए था।

दरअसल, इस मामले में अपीलकर्ता रवि साव को पहले ही जमानत मिल चुकी थी। इसके बाद पीड़िता युवती ने जमानत रद्द करने की याचिका दायर की। पीड़िता का आरोप है कि जमानत पर रिहा होने के बाद अपीलकर्ता ने फिर से अवैध गतिविधि की, जिसकी शिकायत उसने साइबर पुलिस में की थी. उनका वीडियो वायरल हुआ है।

अदालत के समक्ष यह बात आई थी कि शिकायत में संज्ञेय अपराध का स्पष्ट खुलासा होता है, इसके बावजूद पुलिस द्वारा त्रक्षफ्र दर्ज नहीं की गई। इस पर अदालत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पूछा था कि जब शिकायत में संज्ञेय अपराध का उल्लेख है, तो एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मंत्री आलमगीर और उनके पीएम को दी जमानत

2 साल बाद जेल से बाहर आएंगे, टेंडर के बदले रिश्वत लेने का आरोप

सवाददाता

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता आलमगीर आलम और उनका पर्सनल सेक्रेटरी संजीव लाल को करप्शन से जुड़े एक मामल में जमानत दे दी है। आलमगीर और संजीव लाल पर आरोप हैं कि उन्होंने ठेकेदारों को सरकारी विभागों में टेंडर दिलाने के बदले रिश्वत ली है। इस मामले में वे करीब दो साल से जेल में बंद हैं।

सुप्रीम कोर्ट में आज जस्टिस एम एम सुंदरेश्वर और जस्टिस एन कोटीश्वर सिंह की बेंच में जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी। इसस पहले जमानत को लेकर उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जहां उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया गया था। इसी के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

2024 से चल रहा मामला : मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 6 मई 2024 को आलमगीर पर बड़ा एक्शन लिया था। कई इंजिनियर, ठेकदार और आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने पर छापेमारी की थी। उस छापेमारी में संजीव लाल के सहायक जहांगीर आलम के आवास से करीब 32.2 करोड रुपये कैश बरामद किया गया था। इसके अलावा संजीव लाल के आवास और उनके सचिवालय स्थित कार्यालय से भी कैश बरामद किया गया था। इसके बाद उनसे प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत 14 और 15 मई 2024 को प्रवर्तन निदेशालय ने आलमगीर आलम को समन जारी कर बुलाया और कई घंटों तक पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने 15 मई 2024 को उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, तब से वह न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है।

ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री थे : पूर्ववर्ती सरकार में आलमगीर ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री थे। गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेशी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि उन्होंने मंत्री रहते हुए उनके इशारों पर ही ग्रामीण विकास विभाग टेंडर को लेकर इंजीनियर और अधिकारियों का एक संगठित गिरोह एक्टिव था। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग में अधिकारियों की मिलीभगत से रिश्वतखोरी का एक संस्थागत ढांचा तैयार कर लिया गया था। ठेकेदारों से वसूली के बाद, सरकार में उच्च पदस्थ अधिकारियों को एक एक फिक्स कमीशन राशि दी जाती थी।

मार्च में दायर किया था नया आरोपपत्र : प्रवर्तन निदेशालय इस मामले में एक दर्जन से अधिक सेवानिवृत्त और सेवारत इंजीनियर और अधिकारियों के खिलाफ नया आरोपपत्र दाखिल किया था। ये आरोपपत्र रांची में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की स्पेशल कोर्ट में दाखिल किया गया था। आरोपपत्र में ग्रामीण कार्य विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल और झारखंड राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के 14 इंजीनियरों और अधिकारियों को नामजद किया गया था।

कोडरमा में 55 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद

आत्महत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

कोडरमाः जिला कोडरमा थाना क्षेत्र के तिलैया-जयनगर मुख्य मार्ग स्थित लाराबाद के पास ढाबे के पीछे एक शव बरामद हुआ है. शव मिलने की सूचना के बाद आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान 55 वर्षीय रामजी यादव के रूप में की गई है, जो कोडरमा थाना क्षेत्र के गरहाई का रहने वाला बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार पिपराडीह गांव के कुछ लोग टहलने के लिए खेत की ओर गए हुए थे, इसी दौरान उनकी नजर खेत में बेसुध पड़े एक व्यक्ति पर पड़ी। बाद में पता चला कि व्यक्ति की मौत हो चुकी है. ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जांच के दौरान पुलिस को खेत से रामजी यादव के कुछ सामान और जहरीला पदार्थ बरामद हुआ है। लोगों को आशंका है कि रामजी यादव ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है. फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। बता दें कि कि रामजी यादव बालू गाड़ी में बतौर मजदूर काम किया करते थे।

रांची में दर्दनाक रेल हादसाः लोहरदगा ट्रेन से गिरकर 1 की मौत, पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत नयासराय मठटोली अमडेला के पास रविवार को एक दुखद रेल दुर्घटना हुई। यहां लोहरदगा ट्रेन से गिरने के कारण एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

मौके पर ही तोड़ा दम : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, व्यक्ति चलती ट्रेन (लोहरदगा पैसेंजर/एक्सप्रेस) से अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया था। गिरने की चोट इतनी गंभीर थी कि व्यक्ति ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के तुरंत बाद विधानसभा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

पहचान के लिए पुलिस की अपील : विधानसभा थाना प्रभारी गणेश कुमार यादव ने बताया कि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों और अन्य थानों से भी संपर्क साधा है ताकि किसी लापता व्यक्ति की रिपोर्ट से इसका मिलान किया जा सके।

थाना प्रभारी का संदेश : थाना प्रभारी गणेश कुमार यादव ने आम जनता से अपील की है कि यदि कोई भी व्यक्ति मृतक के हुलिए या कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान करता है, तो वह तत्काल विधानसभा थाना से संपर्क कर जानकारी साझा करे। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है कि यह दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

जमशेदपुर में ब्राउन शुगर के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, दंपती समेत 5 गिरफ्तार

संवाददाता

जमशेदपुरः पुलिस ने शहर में ब्राउन शुगर के अवैध कारोबार के संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। ऑपरेशन प्रहार के तहत की गई कार्रवाई में एक दंपती समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 175 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत साढ़े तीन लाख रुपये बताई जा रही है।

गुप्त सूचना पर छापेमारी : पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बर्मा माइंस थाना क्षेत्र के गांधी नगर बस्ती में संतोष सिंह अपने घर से ब्राउन शुगर का अवैध कारोबार चला रहा है। सूचना के आधार पर सीटी एसपी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और त्वरित छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान संतोष सिंह के घर से 124 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई। मौके पर संतोष सिंह और उसकी दूसरी पत्नी आयशा खातून उर्फ बिल्लो को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरोह के अन्य सदस्य गिरफ्तार : पूछताछ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी मिलने पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की। गोविंदपुर क्षेत्र से गौरव कुमार उर्फ अमर और अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से क्रमशः 20 और 19 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके अलावा मानगो क्षेत्र के मुख्य पेडलर संजय गोस्वामी उर्फ संजय बंगाली को 12 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

अंतरजिला सिंडिकेट का खुलासा : जिला एसएसपी पीयूष पांडेय ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से जमशेदपुर के विभिन्न इलाकों में ब्राउन शुगर का कारोबार चला रहा था और अंतरजिला स्तर पर सक्रिय था। आरोपियों द्वारा सरायकेला जिले से ब्राउन शुगर लाकर यहां बेची जा रही थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार अधिकांश आरोपी पहले भी मादक पदार्थों और अन्य आपराधिक मामलों में जेल जा चुके हैं। हाल ही में सरायकेला जिले में 16.50 लाख रुपये की ब्राउन शुगर बरामदगी से यह गिरोह जुड़ा हुआ पाया गया है।

आगे की कार्रवाई : पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। एसएसपी ने नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा कि शहर में नशीले पदार्थों के प्रसार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अभियान जारी रहेगा।

जमशेदपुर में ट्रिपल मर्डर : रिटायर्ड टाटा स्टील कर्मी ने पत्नी और बेटा-बेटी को काट डाला

जमशेदपुर : शहर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के एग्रिको रोड नंबर-2 स्थित क्वार्टर नंबर एल-13 में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव घर के अंदर मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में पत्नी, बेटा और बेटी शामिल हैं। पुलिस को आशंका है कि परिवार के मुखिया और टाटा स्टील के रिटायर्ड कर्मचारी रविंद्र प्रसाद सिंह ने ही इस वारदात को अंजाम दिया और इसके बाद फरार हो गए।

घर के अंदर मिले तीन शव, इलाके में मचा हड़कंप : घटना की जानकारी मिलते ही एग्रिको इलाके में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एग्रिको स्थित क्वार्टर में टाटा स्टील के रिटायर्ड कर्मचारी रविंद्र प्रसाद सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में उनकी पत्नी सरिता सिंह, बेटी सुप्रिया सिंह और बेटा रविशेक कुमार थे।

घर पर टूटा चीन का गुरूरः झारखंड की बेटियों ने भारत को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

रांची : झारखंड की तीरंदाजों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें विश्व स्तर पर क्यों सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। शंघाई में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में दीपिका कुमारी (रांची), अंकिता भकत (टाटा आर्चरी एकेडमी) और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने मेजबान और खिताब की प्रबल दावेदार चीन को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

शूट-ऑफ तक पहुंचा रोमांच : फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। भारत ने पहले सेट में जीत के साथ शुरूआत की, लेकिन चीन ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद मुकाबला बराबरी पर रहने के कारण शूट-ऑफ का सहारा लिया गया। निर्णायक क्षणों में भारतीय तिकड़ी ने अपना धैर्य बनाए रखा और चीन को 5-4 (28-26) से शिकस्त दी।

दीपिका का विनिंग शॉट और नया रिकॉर्ड : अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी ने दबाव के क्षणों में अपनी मास्टरक्लास दिखाई। उन्होंने शूट-ऑफ के अंतिम तीर पर महत्वपूर्ण नौ अंक जुटाकर भारत की जीत सुनिश्चित की। इस स्वर्ण पदक के साथ ही दीपिका के नाम 2010 से अब तक सात विश्व कप टीम स्वर्ण पदक जीतने का नया रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को दी मात : भारतीय टीम की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। दक्षिण कोरिया जैसी दिग्गज टीम को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के हौसले बुलंद थे, जिसका असर फाइनल में भी दिखा।

तीन साल बाद मिला विश्व कप स्वर्ण : भारतीय महिला रिकर्व टीम के लिए यह पदक बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि 2021 के बाद टीम ने पहली बार विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले टीम 2023 के पेरिस चरण में पोडियम पर पहुंची थी, जिसमें अंकिता भकत ने अहम भूमिका निभाई थी। झारखंड की इन बेटियों की सफलता ने पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ा दी है।

बंद घर में चल रही थी नकली विदेशी शराब की फैक्ट्री, 250 पेटी शराब के साथ दो गिरफ्तार

रामगढ़ : जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चल रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गोला थाना क्षेत्र के ऊपर खखरा टोला में एक बंद घर में चल रही नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में तैयार शराब, स्प्रिट, फर्जी होलोग्राम, स्टीकर, खाली बोतलें और पैकिंग सामग्री बरामद की है। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। शुरूआती जांच में खुलासा हुआ है कि नकली शराब को नामी कंपनियों के ब्रांड का रूप देकर बाजार में खपाया जा रहा था।

गुप्त सूचना पर बनी एसआईटी, फिर हुई रेड : पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गोला थाना क्षेत्र के ऊपर खखरा टोला स्थित एक बंद मकान में अवैध रूप से विदेशी शराब तैयार की जा रही है। यहां से आसपास के कई इलाकों में शराब की सप्लाई भी की जा रही थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए रामगढ़ एसपी के निर्देश पर डीएसपी

चंदन वत्स के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए ठिकाने पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन टीम ने मौके से दो लोगों को दबोच लिया।

पूछताछ में खुला पूरा खेल : गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनोज मुर्मू और भदरू सिंह के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों ने शराब बनाने और उसके भंडारण में अपनी भूमिका स्वीकार की है। जांच में पता चला है कि यहां नकली विदेशी शराब तैयार की जाती थी। इसके बाद बोतलों पर अलग-अलग कंपनियों के फर्जी होलोग्राम, लेबल और स्टीकर लगाकर उसे असली ब्रांड की शराब बताकर बाजार में बेचा जाता था।

क्या-क्या मिला फैक्ट्री से : छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में सामान जब्त किया। इनमें 250 पेटी विदेशी शराब, 1800 लीटर तैयार शराब, 1600 लीटर स्प्रिट, 20 हजार बोतलों के ढक्कन, 40 हजार फर्जी लेबल और स्टीकर, 20 हजार खाली शराब की बोतलें और बड़ी मात्रा में पैकिंग सामग्री शामिल हैं। इसके अलावा एक पिकअप वाहन और दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं, जिनका इस्तेमाल सप्लाई में होने की आशंका है।

सिर्फ दो लोग नहीं, बड़ा नेटवर्क होने का शक : पुलिस को आशंका है कि यह सिर्फ दो लोगों का काम नहीं है। नकली शराब का इतना बड़ा जखीरा और पैकिंग का इंतजाम किसी संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करता है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस धंधे से और कौन-कौन जुड़े हैं और नकली शराब किन इलाकों में भेजी जा रही थी।

सोमनाथ मंदिर में वैदिक मंत्रों और भजनों के बीच पहली बार कुंभाभिषेक संपन्न

गिर सोमनाथ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' के दौरान सोमनाथ मंदिर में ऐतिहासिक कुंभाभिषेक समारोह में भाग लिया। कुंभाभिषेक समारोह गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी के साथ-साथ मंदिर के ट्रस्टियों, संतों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। यह आयोजन सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया। मंदिर के पुनर्निर्माण का उद्घाटन भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1951 में सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में हुए पुनर्निर्माण प्रयासों के बाद किया था।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ में रोड शो किया और उसके बाद मंदिर पहुंचे। इस दौरान रास्ते में बड़ी संख्या में लोग उनके स्वागत के लिए जुटे थे। प्रधानमंत्री के काफिले के मंदिर परिसर की ओर बढ़ने के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मंदिर में प्रधानमंत्री ने जलाभिषेक, महापूजा और ध्वज पूजा समेत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। कुंभाभिषेक देश के 11 तीर्थ स्थलों से एकत्रित पवित्र जल से किया गया।

आयोजकों के अनुसार, इस अनुष्ठान के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए 1,860 किलोग्राम वजनी अनुष्ठानिक पात्र को 90 मीटर लंबी क्रेन की मदद से मंदिर के शिखर तक पहुंचाया गया। आयोजकों ने इसे मंदिर के शीर्ष पर आयोजित पहला ऐसा समारोह बताया।

मंदिर में प्रवेश करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर परिसर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह के दौरान वैदिक मंत्रों और धार्मिक भजनों का जाप किया गया, जबकि हेलीकॉप्टरों से मंदिर पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई गईं।

हिंदू धर्म के 12 ज्योतिलिंर्गों में से एक माने जाने वाले सोमनाथ मंदिर को इस अवसर के लिए व्यापक रूप से सजाया गया था। गिर सोमनाथ जिले भर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा और इस कार्यक्रम के लिए 2,000 से अधिक पुलिसकर्मियों, होम गार्ड और अन्य सुरक्षा कर्मचारियों को तैनात किया गया था।

सोमनाथ अमृत महोत्सव का आयोजन पुनर्निर्मित मंदिर की प्रतिष्ठा की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया गया है, जिसे लंबे समय से आस्था और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में माना जाता रहा है।

योग्य छात्रों के लिए 3 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप योजना

रांची: ईस्ट पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बेंगलुरु ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए योग्य और जरूरतमंद छात्रों हेतु 3 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप योजना की घोषणा की है। ह्यडॉ. एस.एम. वेंकटपति स्कॉलरशिपह्व के तहत मेरिट, खेल, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, दिव्यांग और रक्षा परिवारों से जुड़े छात्रों को सहायता दी जाएगी। संस्थान के अनुसार पात्र छात्रों को 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप और कुछ श्रेणियों में मुफ्त हॉस्टल सुविधा भी दी जा सकती है। ईस्ट पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीईओ राजीव गौड़ा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आर्थिक बाधाओं के बिना छात्रों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है।

मां सीता साहसी मां सम्मान कार्यक्रम आयोजित

रांची : मातृ दिवस के अवसर पर श्री राम भरत मिलाप कार्यालय डोरंडा बाजार में मां सीता साहसी मां सम्मान कार्यक्रम का आयोजन श्री राम भरत मिलाप समिति, मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण एवं जागृति महिला शाखा के संयुक्त तत्वाधान में श्री राम भरत मिलाप कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैसी महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका अपने पति का साथ सालों पहले छूट गया , कुछ ऐसी महिला भी थीं जिनके पति देश की सेवा में शहीद हुए। उसके बाद भी उन्होंने अपने जीवन और बच्चों को अपनी मेहनत और साहस से पालपोस कर बड़ा किया और अपने जीवन को आगे बढ़ा रही हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया ने अपने संबोधन में कहा कि मां की जगह दुनिया में कोई और नहीं ले सकता , और बिना पिता के बच्चों को पालना अपने आप में एक जंग की तरह है।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राम भरत मिलाप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा , मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया, जागृति महिला शाखा की अध्यक्ष प्रमिला सराफ ने संयुक्त रूप से किया । मंच का संचालन महामंत्री नम्रता सोनी, धन्यवाद ज्ञापन राघव शारदा एवं कार्यक्रम के समापन के अवसर पर राष्ट्रगान प्रिया सिन्हा,खुशबू शारदा ने करवाया।

जिन्हें कार्यक्रम में सम्मानित किया गया वह इस प्रकार है।पूनम आनंद,उर्मिला देवी, अल्का देवी, प्रतिमा कुमारी, प्रमिला सर्राफ ,रानी सिन्हा, मंजू देवी, सुशीला राणा, सुशीला ठाकुर, किया घोष, कंचन पोद्दार, सिम्मी गोस्वामी, आशा भारती, अमृता सिंह, सविता देवी, मां सीता साहसी मां का सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशाल पंड्या, विशाल झुनझुनवाला, बी के विजय, सरदार अशोक सिंह, पुरुषोत्तम दास, सुरेश प्रसाद, अध्यक्ष रोहित शारदा, ऋषभ रामपुरिया, प्रमिला सर्राफ, वीना शारदा, नम्रता सोनी, प्रिंस पांडे, विवेक आर्या, जितेन्द्र बरनवाल, प्रिया सिन्हा, खुशबु शारदा, रूबी रश्मि, राघव शारदा, जयंत मजुमदार, अनिल विजय, संजय सिंह, प्रतिमा सिन्हा अनील सिंह, सतेन्द्र रजक, सौरभ विजय, समर्थ तायल, रेनू तिर्की, अनीता मोथे ,परशुराम प्रसाद ,ऋषि शारदा, बलबीर जैन, कृष्ण कुमार पिलानीया, संजय अग्रवाल, लखन विजय, अनिल सिंह, सोहन राम, देवराज बर्मन, नवनीत सिन्हा , कुंदन सिन्हा, प्रताप सिंह, अजय राम, अनिल प्रधान, विनीता शर्मा, संगीता उपाध्याय, पहली गाड़ी , राकेश कुमार आशीष हीरो सहित अन्य लोगों ने अपना महत्तवपूर्ण योगदान दिया ।

डोरंडा क्षेत्र में पहला शिलान्यास है आगे बहुत होंगे : नीरज कुमार

रांची: डोरंडा बाजार श्री शिव मंदिर हनुमान मंदिर प्रांगण के सामने वार्ड 44 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में मजदूरो एवं यात्रियों के लिए शेड के निर्माण कार्य का शिलान्यास रांची के उपमहापौर नीरज कुमार, वार्ड 44 के पार्षद परमजीत सिंह टिंकू भाजपा के युवा नेता रोहित शारदा एवं अश्मित सिंह शेट्टी भारतीय जनता पार्टी डोरंडा मंडल के अध्यक्ष पीयूष विजयवर्गीय, नागेंद्र सिंह बबलू ,धर्मेंद्र राय, अमित गुप्ता सुदेश यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उपमहापौर नीरज कुमार ने कहा कि डोरंडा क्षेत्र में यह मेरा पहला शिलान्यास है पर आने वाले समय में बहुत सारे विकास के कार्य क्षेत्र में होंगे और बहुत सारे शिलान्यास करने का अवसर मिलेगा। वार्ड 44 के पार्षद परमजीत सिंह टिंकू ने भी कहा कि वार्ड पार्षद बनने के बाद जीवन का यह पहला शिलान्यास है जिसमें शिलान्यास पट पर उनका नाम लिखा गया है और क्षेत्र की जनता को अस्वस्थ किया है कि आगे विकास के कार्य होंगे और नागरिक को किसी प्रकार की असुविधा हो तो डायरेक्ट संपर्क कर सकते हैं। भाजपा युवा नेता रोहित शारदा ने अतिथियों को धन्यवाद देते हुए निवेदन किया है कि हाईकोर्ट के बगल वाले रास्ते को डोरंडा क्षेत्र के जनता एवं व्यवसाययों को ध्यान में रखते हुए जल्द खुलवाने का प्रयास करें जिससे कि क्षेत्र में लोगों का आवागमन पहले की तरह बढ़ सके पहले यहां हाईकोर्ट होने से जाम की समस्या होती थी पर हाईकोर्ट यहां से जाने के बाद ऐसी कोई बात नहीं है इस रस्ते को खुलवाया जा सकता है युवा मोर्चा के अस्मित सिंह शेट्टी ने आने वाले समय में क्षेत्र के विकास कार्य और तेज होंगे ऐसी आशा जताई कार्यक्रम में मंच का संचालन भारतीय जनता पार्टी डोरंडा मंडल के अध्यक्ष पीयूष विजयवर्गीय ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुदेश यादव ने दिया। कार्यक्रम में संवेदक ,इंजीनियर सहित आम जनता उपस्थित थे।

आखिरकार खूंटी लौटा सनिका पूर्ति का परिवार

संवाददाता

खूंटी : जिले के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत बीरबांकी ईचाकुटी गांव निवासी सनिका पूर्ति और उनका परिवार पंजाब के जालंधर में कथित रूप से बंधुआ मजदूरी का शिकार बन गया था। पीड़ित परिवार ने बताया कि उनसे रोजाना करीब 16 घंटे तक काम कराया जाता था, लेकिन बदले में बेहद कम मजदूरी दी जाती थी। इतना ही नहीं, घर लौटने की बात करने पर उन्हें धमकियां भी दी जाती थीं।

पीड़ित परिवार की हालत इतनी दर्दनाक थी कि दुधमुंहे बच्चे और बहन को खोने के बाद भी मालिक का दिल नहीं पसीजा। मजबूरी और भय के बीच फंसे परिवार ने आखिरकार मदद के लिए रिपब्लिक झारखंड से संपर्क किया और अपनी आपबीती सुनाई। मामले की जानकारी मिलते ही समाजसेवी लक्ष्मी बाखला आगे आईं और उन्होंने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए अऌळव (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) खूंटी में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद खूंटी पुलिस फुलमनी टोप्पो ने तत्परता दिखाते हुए अड़की थाना क्षेत्र के बीरबांकी ईचाकुटी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार और ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी ली तथा जांच शुरू कर दी।

जांच के बाद पुलिस अधीक्षक खूंटी ऋषभ गर्ग के निर्देश पर अऌळव थाना कांड संख्या-02/26 दिनांक 02.05.2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 352/351(2)/86 एवं इङ्खल्लर्ीी छुंङ्ग४१ र८२३ी अुङ्ग/३ङ्खल्ल अू३ की धारा 16/18 के तहत कार्रवाई शुरू की गई। शिकायतकर्ता लक्ष्मी बाखला ने आरोप लगाया कि पंजाब के जालंधर जिला अंतर्गत शाहकोट थाना क्षेत्र के परिजया कलाम, मलसिया निवासी कलजित सिंह द्वारा सनिका पूर्ति, उनकी पत्नी और बच्चे को बंधुआ मजदूर बनाकर रखा गया था तथा घर लौटने नहीं दिया जा रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खूंटी पुलिस और समाज सेवी लक्ष्मी बाखला ने पंजाब में स्थानीय स्तर पर सत्यापन कराया। इसके बाद पंजाब के एक ठऋड के सहयोग से पीड़ित परिवार को सुरक्षित बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू हुई। आखिरकार समाजसेवी लक्ष्मी बाखला, खूंटी जिला प्रशासन, खूंटी पुलिस के फुलमनी टोप्पो और पंजाब के ठऋड के संयुक्त प्रयास से सनिका पूर्ति, उनकी पत्नी और बच्चे को सकुशल रेस्क्यू कर झारखंड वापस लाया गया। ठऋड की मदद से परिवार को ट्रेन के माध्यम से पंजाब से रांची भेजा गया। रांची रेलवे स्टेशन पर लक्ष्मी बाखला, जिला प्रशासन और पुलिस टीम ने पीड़ित परिवार को रिसीव किया। इसके बाद सभी को सुरक्षित खूंटी लाया गया, जहां पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया और फिर उन्हें उनके गांव ईचाकुटी पहुंचाया गया। इस पूरे मामले में खूंटी पुलिस की त्वरित कार्रवाई, समाजसेवी लक्ष्मी बाखला की पहल और ठऋड के सहयोग से एक पीड़ित परिवार को बंधुआ मजदूरी की यातना से मुक्ति मिल सकी। अब पुलिस पूरे मामले की आगे जांच कर रही है।

चतरा पुलिस का नशे के विरुद्ध कड़ा प्रहार

राजपुर में 6 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

लूना से कर रहा था नशीले पदार्थ की सप्लाई

संवाददाता

चतरा : पुलिस अधीक्षक अनिमेष नथानी के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। राजपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त जानकारी मिली थी कि हेसापारम रोड से बीके हाई स्कूल कान्हाचट्टी की ओर एक व्यक्ति लूना मोटरसाइकिल पर नशीले पदार्थ की खेप लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही राजपुर थाना प्रभारी रूपेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर चेकिंग अभियान चलाया गया। सघन तलाशी के दौरान संदिग्ध बाइक सवार दिलीप ठाकुर के पास से 06 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद की गई। पुलिस ने मौके से तस्करी में प्रयुक्त टीवीएस लूना और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी दिलीप ठाकुर कान्हाचट्टी का ही रहने वाला है। थाना प्रभारी ने बताया कि इलाके में नशे के कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। इस कार्रवाई से नशा तस्करों में हड़कंप मच गया है।

वैदिक मंत्रों और प्रवचन से भक्तिमय हुआ कमात

तीसरे दिन यज्ञशाला पहुंचे जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी

संवाददाता

204

चतरा : सदर प्रखंड के कमात गांव में आयोजित सात दिवसीय शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ के तीसरे दिन रविवार को धार्मिक अनुष्ठानों, प्रवचन और भक्ति कार्यक्रमों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ यज्ञ मंडप परिसर में उमड़ती रही। वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। अयोध्या के प्रमोद वन मारुति सदन से आए आचार्य पंडित शिव कुमार शास्त्री एवं उनकी विद्वान टीम के निर्देशन में विभिन्न वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। आचार्य ने कहा कि रुद्र महायज्ञ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकता, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है और लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पूजा-अर्चना की। देर शाम प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां अयोध्या के वक्ता सुभाष मिश्रा और इन्द्राणी भारद्वाज ने अपने ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने भगवान शिव की महिमा, धर्म और संस्कारों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रवचन के बाद देर रात तक रामलीला का मंचन हुआ, जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी भी यज्ञशाला पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। यज्ञ समिति की ओर से उन्हें शाल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं। यज्ञ समिति के उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी सूर्यकांत कमल ने बताया कि महायज्ञ को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रकाश और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। मौके पर बच्चों के मनोरंजन हेतू मेला भी लगाया गया है। आयोजन को सफल बनाने में गांव के बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि समिति के द्वारा प्रतिदिन आगंतुको, श्रोताओं और ग्रामीणों के लिए यज्ञ समिति की ओर विशेष भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। मौके पर यज्ञ समिति के संरक्षक विजय सिंह, सीताराम सिंह, प्रभुनाथ सिंह, रामपति सिंह, अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, सचिव पारसनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, हरेश सिंह, रमेश सिंह, संतोष सिंह, अरविंद सिंह, प्रदीप सिंह, प्रशांत, आर्यन, राहुल, रोहित, टुनटुन, अनूप, रुपेश, गौतम समेत सैंकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

पुत्र ने कर दी पिता की हत्या

पत्नी और पत्नी के भाइयों पर भी संलिप्तता का आरोप

संवाददाता

चतरा : जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के कान्हाचट्टी प्रखंड अंतर्गत के लारा लुद्दागाग गांव में रविवार की देर रात करीब 10:30 बजे पुत्र ने घरेलू विवाद में अपने पिता की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस को घटना की सूचना रात 2:30 बजे मिली। सूचना के बाद से मौके पर पहुंची राजपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक कुलेश्वर यादव ने दो विवाह किया है। एक पत्नी से एक पुत्र एवं दूसरी पत्नी से दो पुत्री है। बीते 20 अप्रैल को मृतक ने अपनी बड़ी पुत्री का विवाह किया था। विवाह में कर्ज को उतारने के लिए अपनी जमीन बेचना चाहता था। परंतु पुत्र भोला यादव जमीन बेचे जाने का विरोध कर रहा था। इसी नाराजगी में पुत्र भोला यादव ने अपने पिता कुलेश्वर यादव(50 वर्ष) की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतक की पुत्री ने स्थानीय थाना में आवेदन देकर भाई,भाभी एवं सालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

18 माह की मासूम बच्ची लापता

संवाददाता

रांची : सदर थाना क्षेत्र से 18 माह की मासूम बच्ची अदिति पांडे के लापता होने के मामले में रांची पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। बच्ची की तलाश में लगातार छापेमारी और जांच जारी है।

सदर थाना क्षेत्र के कोकर स्थित खोरहा टोली से लापता हुई 18 माह की अदिति पांडे की जानकारी देने वाले को रांची पुलिस की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को बच्ची के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

संपर्क नंबर:
रांची एसएसपी - 9431706136
सिटी एसपी - 9431706137
सदर डीएसपी - 9431102090
सदर थाना प्रभारी - 9431706160

रांची पुलिस की अपील –18 माह की मासूम बच्ची अदिति पांडे को सकुशल खोजने में पुलिस का सहयोग करें। आपकी एक सूचना बच्ची को उसके परिवार से मिला सकती है।

स्वास्थ्य विभाग बहाली परीक्षा पर उठे सवाल

सिर्फ अंग्रेजी में प्रश्न पूछे जाने से परीक्षार्थियों में नाराजगी

संवाददाता

चतरा : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर बहाली को लेकर रविवार को चतरा कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र पर लिखित परीक्षा आयोजित की गई। इस बहाली प्रक्रिया के तहत जीएनएम, लैब तकनीशियन, वार्ड बॉय सहित कई पदों पर नियुक्ति होनी है।परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि परीक्षा के प्रश्न हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होने चाहिए थे, लेकिन सभी प्रश्न केवल अंग्रेजी में पूछे गए, जिससे हिंदी माध्यम के छात्रों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा।परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था से जानबूझकर अधिक से अधिक उम्मीदवारों को बाहर करने की कोशिश की गई है। उन्होंने आशंका जताई कि यह ह्लसेटिंग-गेटिंगह्व का हिस्सा हो सकता है, ताकि सीमित लोगों को लाभ पहुंचाकर सीट खरीदने वालों को नौकरी दी जा सके।अभ्यर्थियों ने परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने और भविष्य में द्विभाषीय प्रश्नपत्र सुनिश्चित करने की मांग की है। परीक्षा केंद्र पर इस मुद्दे को लेकर काफी नाराजगी देखी गई।

तेज रफ्तार बाइक पुलिया की रेलिंग से टकराई, दो युवक गंभीर घायल

खूंटी: तोरपा थाना क्षेत्र के कुलड़ा जंगल के समीप खूंटी-कोलेबिरा मुख्य पथ पर रविवार को एक तेज रफ्तार यामाहा बाइक खऌ-01-एङ-0421 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पुलिया की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सड़क से करीब 10 फीट नीचे उछाल कर जा गिरी। हादसे में बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद काफी लोग घटना स्थल पर जमा हो गए। घायलों की पहचान रनिया थाना क्षेत्र के खेरखई गांव निवासी लगभग 25 वर्षीय इशाक होरो और अजय केरकेटा के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों और राहगीरों की भारी भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए रेफरल अस्पताल तोरपा पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। अस्पताल में चिकित्सकों ने शुरूआती इलाज के बाद इशाक होरो की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि इशाक के सिर में गंभीर चोट लगी है और उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने एक दोस्त की ऋ मोटरसाइकिल खऌ-01एङ-0421 से तोरपा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुलड़ा जंगल के पास बाइक काफी तेज गति के कारण अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग से जा टकराई। दुर्घटना में बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

कलश यात्रा के साथ तुलिन उपरपाडा. में नवो कुंज पूजा का शुभारंभ

मुरी : श्री श्री पगला बाबा राधवनंद नमो कमिटी के नव कुंज कमिटी तुलिन अंचल उपरपाडा. में कलश यात्रा के साथ नवो कुंज पूजा का शुभारंभ किया गया।जो अठारह मई तक चलेगा।19 मई ब्राहमण भोज देकर समापन होगा। उपडपाडा.के सभी नव मंदिरों का भगवा रंग से पुताई कर नया कर दिया गया। करीब बंगाल के 54 भजन कीर्तन मंडली दिन रात मंदिरों में भजन कीर्तन कर रहे हैं। यहाँ के पुजारी सधन लायक, सपन लायक, तुलसी लायक परम्परागत धार्मिक विधि से पुजा करा रहे हैं। कमिटी के जोगेशवर महतो, कैलाश महतो,देवेंद्र महतो, शत्रुघ्न महतो, रास बिहारी महतो, लाल बिहारी महतो,सरोज साहु, सोमनाथ चक्रवर्ती, राणा कर, राजेश महतो, कार्तिक महतो, एवं लोगों की सेवा में तत्पर रवि, तुषार, उजिता, कौशल्या, मालती, मन्तोष आदि श्रध्दा भाव से योगदान दे रहे हैं।

बाइक सवार युवक पोल में टकराया घटनास्थल पर ही हो गईं मौत

सिल्ली : सोमवार सुबह करीब 9 बजे सिल्ली बंता रोड में टूटकी नवाडीह गांव के समीप बाइक से गिर जाने पर एक युवक का घटनास्थल पर ही मौत हो गया. मृतक युवक की पहचान थाना क्षेत्र के कुलसूद निवासी वरुण लोहरा 18 बर्ष पिता धुमा लोहरा के रूप में हुई. बताया जाता है की युवक बंता की ओर से सिल्ली की ओर आ रहा था, इस दौरान आगे में बाइक से जा रहे एक युवक अचनाक नवाडीह गांव की ओर घुमा. जिसको बचाने के चक्कर वरुण लोहरा का संतुलन बिगड़ा और सड़क किनारे लगे किमी संख्या वाले पोल में जा टकराया जिसे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गईं. बताया जाता है की मृतक युवक पेटी कॉन्टैक्टर परमेश्वर महतो के यहां छत ढलाई मशीन चलाने का काम करता था. इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

15 मई को श्रीमदभागवत पुराण कथा महोत्सव कथा

मुरी : आगामी 15 मई को पतराहातु सिल्ली स्कूल मैदान में श्रीमदभागवत पुराण कथा महोत्सव की तैयारी में विशाल पंडाल बनाया जा रहा है। शुभारंभ को लेकर राजेश कुमार साहु,शशांक शेखर,डॉ प्रदीप राय,धीरज साहु,तपन साहु,सनातन मांझी,दीपक कुमार तन मन धन से सहयोग दे रहे हैं।। 15 मई शुक्रवार को ही कलश शोभायात्रा प्रातः 7 बजे से शुरू होगी। 15 से 21 म ई तक रोजाना 6 बजे शाम से, 10 बजे तक भगवत कथा की जाएगी। कथा वाचक श्री चैतन्य हरि श्चरत जीश्र महाराज गोवर्धन धाम मथुरा से आएगे। 22 मई शुक्रवार को हवन और भण्डारा की जाएगी।

सरना कोड नहीं तो हिन्दू राष्ट्र भी मंजुर नहीं : प्रेम शाही मुंडा

मुरी : सिल्ली के पतराहातु स्कूल मैदान में विधानसभा स्तरीय बा परब (सरहुल) मिलन समारोह आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम शाही मुंडा ने उपस्थित हुए आदिवासियों को सशक्तिकरण एवं अधिकार के प्रति जागरुकता एवं चेतना को लेकर कहा कि जनसंख्या गणना हो रही है अगर आदिवासी को सरना कोड नहीं मिला तो हमें हिन्दू राष्ट्र मंजुर नहीं। बल्कि आदिवासी राष्ट्र चाहिए।आदि वासी है तो पर्यावरण है, पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में आए ज्योसना केरकेट्टा ने गरजते हुए हुंकार भरी कि हमने बाहरी -भीतरी, मुलवासी सभी को गले लगाया पर आज आदिवासी को देखे कहाँ खडा. है। इसलिए आदिवासी जागो और सवाल करना सीखो। वही अन्य अतिथियों ने कहा कि इतिहास सबको कुछ न कुछ जानना चाहिए, इतिहास से सबक लेना चाहिए। बाबा साहेब गरीब, कमजोर, को हमेशा पढने की बात की है। आज बाबा साहेब के लिखी संविधान के कारण हमे पढने का अधिकार मिला। शिक्षा के आभाव में हमें लुटा जा रहा था। मिलन मंच से शिला उरांव, लक्ष्मी मुंडा, विश्वनाथ मुंडा , करम मुंडा, अजय सिंह मुंडा, सिदाम सिंह मुंडा, सीताराम मुंडा, मंगल सिंह मुंडा, आदित्य सिंह मुंडा, बोध मुंडा, अनिल मुंडा, द्रौपदी मुंडा, शिव जन मुंडा, संदीप मुंडा, रामनाथ मुंडा, पंचानन मुंडा संतोष मुंडा, निपेन मुंडा, समुद्र सिंह मुंडा, हेमन्त पातर मुंडा, आदि उपस्थित रहे। मिलन समारोह के पूर्व सरना स्थल पर साल वृक्ष की पूजा आदिवासी ढोल नगाड़े के गुंज एवं रीति रिवाज एवं परम्परा के अनुसार पाहन रामनाथ, पाहन पंचानन, लछमण पाहन, दिलीप पाहन लोटा से पानी भर कर वृक्ष को समर्पित किया। अग्नि को समर्पित किया गया। सरहुल आखडा में धुम धाम से आदिवासी नृत्य को प्रस्तुत किया गया। लोग नृत्य से सरोवार थे।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में रांची यूनिवर्सिटी का शानदार प्रदर्शन

वुशु ताऊलु में बना सेकंड रनर-अप

संवाददाता

रांची : 4 से 9 मई 2026 तक शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की ताऊलु प्रतियोगिता में रांची यूनिवर्सिटी के वुशु खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता (सेकंड रनर-अप) का स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने 17 से अधिक पदक जीतकर विश्वविद्यालय, राज्य एवं झारखंड का गौरव बढ़ाया।

प्रतियोगिता में रांची यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक हासिल किए। स्वर्ण पदक विजेताओं में त्रिलोचन बेदिया, संजना कुमारी, शीतल कुमारी एवं अमित एक्का शामिल रहे। वहीं रजत पदक फनी भूषण बेदिया, राकेश टोप्पो, सोनाली कुमारी, रोशनी कुमारी, विक्रम कुमार गंजू एवं ज्योति कुमारी ने जीते।

कांस्य पदक विजेताओं में शशिकांत महतो, भास्कर ठाकुर, ललन यादव, सुमित कुमार महतो, चमरू बिरुवा, जितेंद्र महतो, शिवम उरांव, तनु कुमी, प्रिया गाड़ी, आस्था उरांव, कंचन तिग्गा, वर्षा रानी, रेणु कुमारी, तारामुनि बखला एवं अंजना कुमारी शामिल रहे।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस शानदार उपलब्धि पर रांची यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. श्रीमती सरोज शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. गुरुचरण महतो, प्रॉक्टर डॉ. मुकुंद मेहता, डॉ. सुदेश साहू, खेल समन्वयक डॉ. राजेश गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के खेल विभाग के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

साथ ही झारखंड वुशु एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप वर्मा, सचिव शैलेन्द्र दुबे एवं झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. मधुकांत सहित खेल जगत से जुड़े कई पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एक्वा वर्ल्ड में मदर्स डे का आयोजन

खुशबू को बेस्ट मदर का खिताब मिला

मम्मी और बच्चों ने मां थीम के गानों पर कैटवॉक किया

संवाददाता

रांची : एक्वा वर्ल्ड, मछली घर में आज मदर्स डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम मदर्स डे स्पेशल का आयोजन किया गया। पूरी शाम आज कैंपस में आई मम्मी के नाम रही। विभिन्न प्रतियोगिताओं के जरिए बेस्ट मदर का चयन हुआ। बच्चों और मम्मी की टीमों के बीच क्वेश्चन आंसर राउंड हुआ उसके बाद मां के गीतों के थीम पर कैटवॉक की।खुशबू ने बेस्ट मदर का खिताब जीता जबकि इसी प्रतियोगिता में रजनी को दूसरा और नूपुर को तीसरा स्थान मिला। सांत्वना पुरस्कार पाने वालों में स्नेहा, आकृति, मधुलिका, बेबी, नूर थी।

इसके पूर्व दीपांजलि और स्वस्तिका के ग्रुप ने मेरी मां गाने पर मंत्रमुग्ध कर देने वाला परफॉर्मेंस दिया।आज के अतिथि के रूप में पूजा रे उपस्थित थी। उन्होंने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरमैन प्रतुल शाह देव, दीपांजलि ग्रुप के निदेशक विपुल नायक, वैम्स मॉडलिंग इंस्टिट्यूट के निदेशक वसीम आलम , सुमित रूंगटा, धीरज कुमार भी उपस्थित थे। देव ज्योति नाहा (डीजे सर), अहम राज, रिया कुमारी, मानसी कुमारी, साल्विया, श्रेयासाक्षी, मुस्कान ने भी अलग अलग कार्यक्रम में परफॉर्म किया।

अग्रवाल सभा महिला समिति का समर कैंप 29 से

रांची : अग्रवाल सभा महिला समिति के द्वारा 23 वें समरकैंप का आयोजन 29 मई से 31 मई तक किया जा रहा है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास एवं उनके अंदर छुपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उनकी रुचि को जागृत करना और प्रशिक्षण देना ही मुख्य उद्देश्य है। आयोजन की विस्तृत जानकारी के लिए पोस्टर का विमोचन किया गया। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंत्री अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, कौशल राजगढ़िया रमाशंकर बगड़िया और साथ ही महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल ,अलका सरावगी, अनुसूया नेवटिया, गीता डालमिया, रीना सुरेका , बबीता नारसरिया, प्रीति पोद्दार, छाया अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, सुनीता सरावगी उपस्थित थीं ।

मातृ दिवस पर ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

रांची : मातृ दिवस पर अग्रसेन पथ स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में अग्रवाल युवा सभा एवं मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल थे साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष पवन पोद्दार एवं अशोक नार्सरिया उपस्थित थे। अग्रवाल युवा सभा के अध्यक्ष रोहित सरावगी एवं मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की अध्यक्ष शुभा अग्रवाल ने इस अवसर पर *हेल्थ प्वाइंट हॉस्पिटल के ब्लड बैंक, बारियातू रोड से आए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। ब्लड डोनेशन कैंप कार्यक्रम में दोनों संस्थाओं के सदस्यों एवं उनके साथियों ने रक्तदान किया तथा सभी रक्त दाताओं को प्रस्सति प्रमाण पत्र, जूस एवं मिल्टन की झारी देकर सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया। अग्रवाल युवा सभा के रक्तदान प्रभारी श्रेय जालान, तरुण सराफ, आलोक बजाज एवं मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा कि रक्तदान प्रभारी हेमा पोद्दार ने पूरी व्यवस्था को बहुत ही सुसज्जित तरीके से कार्यक्रम संयोजक राहुल अग्रवाल एवं कोमल पोद्दार के देखरेख में सजाया। इस अवसर पर दोनों संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं अन्य सदस्यगण भारी मात्रा में उपस्थित थे। सभी रक्त दानदाताओं को अग्रवाल युवा सभा के सचिव चेतन पोद्दार एवं मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की सचिव रेखा राईका ने इस पुनित कार्य के लिए दोनों संस्थाओं की ओर से हृदय की गहराइयों से धन्यवाद दिया। यह सारी जानकारी अग्रवाल युवा सभा के प्रवक्ता अमित बजाज ने दी।

यदुवंशी संकल्प महासम्मेलन में उठी ओबीसी के हक की आवाज

शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें आगे बढ़ने की जरूरत है : कैलाश यादव

संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण विकास परिषद के तत्वावधान में पुराने विधानसभा सभागार में यदुवंशी संकल्प महासम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें राज्यभर से परिषद से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में पिछड़ों के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने की बड़ी जवाबदेही अहीर समुदाय के ऊपर होने की बात कही गई है।

सम्मेलन में सेवानिवृत्त अभियंता देवबिहारी यादव, दिवाकर सिंह, नंदन यादव, कैलाश यादव सहित श्री कृष्ण विकास परिषद से जुड़े कई नेता शामिल रहे। इस दौरान यदुवंशी समाज में शिक्षा को लेकर अभी भी उदासीन रवैया पर वक्ताओं ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर समाज को आगे ले जाना है तो सामान्य शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा में भी हमारे बच्चों को आगे आना होगा।

श्री कृष्ण विकास परिषद के संरक्षक नंदन यादव ने कहा कि

समाज का कल्याण सिर्फ शिक्षा से नहीं बल्कि एक दूसरे को मदद करने से होता है, लेकिन हम धरातल पर देखते हैं कि यदुवंशी समाज का कोई व्यक्ति अगर आगे बढ़ जाता है तो ज्यादातर मामले में उनकी सोच भी सामंती हो जाती है। नंदन यादव ने कहा कि ह्लसामंतीह्व कोई जाति विशेष नहीं होता बल्कि कई व्यक्ति अपने विचार से सामंती होता है।

श्री कृष्ण विकास परिषद के प्रधान संरक्षक और राजद नेता कैलाश यादव ने कहा कि सामाजिक एकता को बढ़ाने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। सामाजिक चेतना से ही समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज बहुत खुशी है कि युवा साथी भी यहां पर हैं। जब हमारी नई पीढ़ी समाज में रुचि लेने लगेगी तो हमारे समाज को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकेगा। उन्होंने कहा कि लालू यादव, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, बीपी मंडल जैसे कई नेता हुए जिन्होंने समाज को दिशा दी है। हमें पढ़ाई लिखाई करना है लेकिन यह नहीं भूलना है कि हमारी उत्पत्ति ही सताए लोगों की रक्षा के लिए हुई है। उन्होंने कहा कि कुछ तो खास होगा जो भगवान ने भी कृष्ण के रूप में हमारे कुल में जन्म लिया। कैलाश यादव ने कहा कि शिक्षा हमारी पहली और अंतिम प्राथमिकता है लेकिन हमारा समाज अपने सामने जुल्म होता नहीं देख सकता।

कैलाश यादव ने कहा कि 25 वर्षों के झारखंड में सिर्फ राज्य में ओबीसी को बांटने और हमारी हकमारी का काम हुआ। हमारी आबादी राज्य में 14% है और कुल ओबीसी की आबादी 60% है। हम कानूनी रूप से 27% आरक्षण के हकदार हैं, लेकिन राज्य के ओबीसी समाज को महज 14% आरक्षण मिल रहा है, जो अन्यायपूर्ण है। इस अन्याय के खिलाफ भी हम लड़ेंगे क्योंकि अगर राज्य के ओबीसी को 14 की जगह 27% आरक्षण मिलता तो अभी ओबीसी के लाखों युवा सरकारी नौकरी में होते और ओबीसी समाज सशक्त होता, लेकिन यहां की सरकार ओबीसी समाज में ही कभी भाषा के नाम पर कभी किसी और नाम पर विभेद पैदा करती है।

जेपीएससी बैकलॉग पीटी परीक्षा में रांची के 15 केंद्रों पर 7 हजार अभ्यर्थी हुए शामिल

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (बैकलॉग) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 रविवार को राजधानी रांची सहित राज्यभर में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई।

रांची जिला में बनाए गए 15 परीक्षा केंद्रों पर करीब 7 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरे दिन अलर्ट मोड में रहा।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जबकि दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक चली। परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड़ देखने को मिली। कई अभ्यर्थी निर्धारित समय से पहले ही केंद्रों पर पहुंच गए थे। केंद्रों के बाहर सुरक्षा जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारी की थी। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के संयुक्त आदेश पर सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। परीक्षा केंद्रों के आसपास लगातार गश्ती और निगरानी की व्यवस्था भी की गई थी।

इसी क्रम में सदर अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत द्वारा बीएनएसएस की धारा-163 के तहत सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई थी। यह आदेश रविवार सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक प्रभावी रहा। निषेधाज्ञा के तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग, हथियार लेकर चलने और किसी भी प्रकार की सभा आयोजित करने पर रोक लगाई गई थी। प्रशासन की सख्ती के कारण परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

रांची के जिन प्रमुख परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित हुई उनमें डोरंडा कॉलेज, निर्मला कॉलेज, डीएवी नंदराज मॉडर्न स्कूल, फिरायालाल पब्लिक स्कूल, मारवाड़ी प्लस टू हाई स्कूल, बर्लिन पब्लिक स्कूल, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस कांके और बिरसा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सहित अन्य संस्थान शामिल रहे।

परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों के चेहरे पर संतोष नजर आया। कई अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को संतुलित और सामान्य स्तर का बताया। अभ्यर्थियों का कहना था कि परीक्षा का पैटर्न बेहतर था और सवाल सिलेबस के अनुसार पूछे गए थे। अभ्यर्थी राकेश ने कहा कि प्रश्नपत्र का स्तर ठीक था, सामान्य अध्ययन और करंट अफेयर्स से जुड़े सवाल पूछे गए थे। उम्मीद है कि आयोग इस बार समय पर रिजल्ट जारी करेगा।

वहीं अभ्यर्थी मुकेश ने कहा कि परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में हुई। केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था अच्छी थी और किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। अब उम्मीद है कि चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ेगी। अभ्यर्थी श्रेया ने कहा कि पेपर बैलेंस था और तैयारी के अनुसार सवाल आए। आयोग अगर समय पर रिजल्ट जारी करता है तो अभ्यर्थियों को काफी राहत मिलेगी।

प्रशासन की ओर से भी परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन पर संतोष जताया गया है। अधिकारियों के अनुसार कहीं से किसी अप्रिय घटना या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। सदर अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत ने परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि कहीं से किसी अप्रिय घटना या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली है।

समर्पण शाखा ने जूस का किया वितरण

रांची : रांची समर्पण शाखा द्वारा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे ह्यप्यार बांटते चलोह्व स्लोगन के अंतर्गत प्रार्थना हाइट्स, रातू रोड में जूस वितरण का सफल आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत शाखा सदस्य कविता सोमानी द्वारा श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के बीच जूस का वितरण किया गया। बढ़ती गर्मी को देखते हुए यह सेवा लोगों के लिए अत्यंत राहतदायक सिद्ध हुई। उपस्थित जनों ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए मंच के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यक्ष शुभा अग्रवाल, शायरी अग्रवाल, वर्षा धानुका, कविता सोमानी, डॉली बंसल, पायल जैन सहित अन्य सदस्याओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह जानकारी मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने दी।

एफटीएस युवा ने शबरी बस्ती के बच्चों संग मनाया मातृ दिवस

रांची : फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी (एफटीएस) की युवा इकाई एफटीएस युवा रांची द्वारा एकल अभियान के अंतर्गत शनिवार को अपर बाजार स्थित महेश्वरी भवन में संचालित ह्लशबरी बस्तीह्व के बच्चों के साथ मातृ दिवस का भावपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मातृत्व के महत्व, मां के त्याग, प्रेम और संस्कारों के प्रति जागरूक करना था।

ह्लशबरी बस्तीह्व एफटीएस युवा रांची की एक विशेष पहल है, जिसके माध्यम से बस्ती के बच्चों तक शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता पहुंचाने का कार्य किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बताया गया कि एक मां अपने परिवार और बच्चों के लिए निःस्वार्थ भाव से प्रेम, देखभाल और समर्पण करती है तथा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

इस अवसर पर बच्चों को मातृ दिवस के इतिहास और उसके महत्व की भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि विश्वभर में मातृ दिवस मनाने की शुरूआत कैसे हुई और इसका सामाजिक एवं भावनात्मक महत्व क्या है।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं के लिए हाथों से ग्रीटिंग कार्ड, संदेश और आकर्षक ड्रॉइंग्स तैयार कीं। बच्चों की बनाई गई चित्रकृतियों के लिए लकी ड्रॉ गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों और संवादों के माध्यम से बच्चों को यह प्रेरणा दी गई कि वे प्रतिदिन अपनी मां का सम्मान करें और उनके योगदान को समझें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर एफटीएस युवा रांची की पूरी टीम मौजूद रही। सभी सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर कार्यक्रम को भावनात्मक, प्रेरणादायक और यादगार बनाया।

बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखी चिट्ठी, कहा धनबाद में चल रहा वर्दी वर्सेस गैंग, एसएसपी को हटाएं

रांची : कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा विदेश से वीडियो जारी कर धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार, पुलिस प्रशासन, कोयला तंत्र और कथित वसूली नेटवर्क को लेकर कई चौंकाने वाले आरोप सामने रखे हैं। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है।

पत्र के साथ उन्होंने इन वीडियो को डीवीडी के रूप में भी दिया है। पत्र में उन्होंने लिखा कि यह केवल किसी अपराधी का बयान नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे की विश्वसनीयता पर सवाल है।

उन्होंने पत्र में मांग रखते हुए कहा है कि धनबाद के एसएसपी को तत्काल हटाया जाए। पूरे मामले की न्यायिक निगरानी में जांच हो। माइनिंग माफिया और वसूली नेटवर्क की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। पूरे प्रकरण की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराई जाए, ताकि निष्पक्षता और जनता का विश्वास बहाल हो सके।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन ह्यअंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है।

8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने ह्यमेमोरी और सालफिरोनोह्ल नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ह्यआईसीआरआईह्ल का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत ह्यअंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंटह्ल की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतरराष्ट्रीय समिति ह्यस्विस फेडरल काउंसिलह्ल को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले ह्यअंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटीह्ल की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में ह्यरेडक्रॉसह्ल संस्था सक्रिय है। भारत में ह्यभारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियमह्ल के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने ह्यभारतीय रेडक्रॉस सोसायटीह्ल को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को ह्यअंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवसह्ल भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

मूडीज नहीं, कई तथ्य हैं मोदी सरकार में भारत की आर्थिक मजबूती के

> वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट ने भी इस तथ्य की पुष्टि की है कि भारत ने हर बड़े वैश्विक आर्थिक झटके के बीच उल्लेखनीय स्थिरता दिखाई है। कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुई महंगाई, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति, बैंकिंग संकट और हालिया वैश्विक शुल्क दबाव जैसे अनेक संकटों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रही।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया इस समय आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनावों के दौर से गुजर रही है। कोविड महामारी के बाद अनेक विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी हैं। ऐसे समय में भारत का लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ना अपने आप में महत्वपूर्ण संकेत है। यही कारण है कि आज भारत को दुनिया की सबसे भरोसेमंद उभरती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट ने भी इस तथ्य की पुष्टि की है कि भारत ने हर बड़े वैश्विक आर्थिक झटके के बीच उल्लेखनीय स्थिरता दिखाई है। कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुई महंगाई, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति, बैंकिंग संकट और हालिया वैश्विक शुल्क दबाव जैसे अनेक संकटों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रही।

वस्तुतः भारत की आर्थिक मजबूती को केवल मूडीज की रिपोर्ट तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। इसके पीछे अनेक ऐसे ठोस तथ्य हैं, जो यह बताते हैं कि बीते वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूत आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक नीतियों में जो स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि दिखाई दी, उसी का परिणाम है कि आज भारत वैश्विक निवेशकों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल हो चुका है।

मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत की मौद्रिक नीति को उसकी सबसे बड़ी ताकत बताया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई नियंत्रण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। दुनिया के अनेक देशों में महंगाई दोहरे अंक तक पहुंच गई, मगर भारत ने उसे नियंत्रित दायरे में बनाए रखा। निवेशकों का भरोसा इसी कारण लगातार बढ़ा है।

भारत की दूसरी बड़ी ताकत उसका विशाल विदेशी मुद्रा भंडार है। यह भंडार आर्थिक सुरक्षा कवच है। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता आने पर यही भंडार रुपये को स्थिर रखने और आयात जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। अनेक देशों की मुद्राएं वैश्विक दबाव में तेजी से कमजोर हुईं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत अधिक संतुलित बनी रही। वहीं, भारत की घरेलू मांग भी उसकी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरी है। देश की विशाल आबादी और बढ़ता मध्यम वर्ग आर्थिक गतिविधियों को गति देता है। यही कारण है कि वैश्विक मंदी के दौर में भी भारत में खपत बनी रही। हाउसिंग, वाहन, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की मांग लगातार बढ़ती दिखाई दी। वित्त वर्ष 2025-26 के बैंकिंग आंकड़े इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं। 15.9 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ यह संकेत देती है कि उद्योग, व्यापार और उपभोक्ता क्षेत्र में गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। कुल कर्ज 212.9 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना आर्थिक विस्तार का बड़ा संकेत है। सेवा क्षेत्र में 19 प्रतिशत की क्रेडिट वृद्धि बताती है कि भारत का सर्विस सेक्टर लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, पर्यटन, स्वास्थ्य और वित्तीय सेवाओं ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति दी है।

उद्योग क्षेत्र में भी कर्ज वितरण लगभग दोगुना होकर 15 प्रतिशत तक पहुंचा है, जो विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार का संकेत देता है। विशेष रूप से माइक्रो और स्मॉल इंडस्ट्रीज में 33.1 प्रतिशत की वृद्धि यह दशार्ती है कि आर्थिक विकास अब केवल बड़े शहरों या कॉरपोरेट समूहों तक सीमित नहीं रहा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उद्यमों को भी वित्तीय मजबूती मिल रही है। यही वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ता कदम है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संकेत भी उत्साहजनक हैं। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में 15.7 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ बताती है कि गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। कृषि क्षेत्र में तकनीक, सिंचाई, खाद्य प्रसंस्करण और ग्रामीण आधारभूत संरचना पर ध्यान देने का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। टैक्स संग्रह के आंकड़े भी आर्थिक मजबूती का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। प्रत्यक्ष कर संग्रह में 5.12 प्रतिशत की वृद्धि बताती है कि आर्थिक गतिविधियां स्थिर हैं और कर अनुपालन बेहतर हुआ है। कॉरपोरेट टैक्स में बढ़ोतरी कंपनियों की बेहतर आय और कारोबार विस्तार की ओर संकेत करती है। इसके साथ आज जो दिख रहा है, वह यह भी है कि देश में डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित प्रशासन ने कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया गया है। व्यक्तिगत ऋणों में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि यह दिखाती है कि आम नागरिकों का आर्थिक विश्वास मजबूत हुआ है। लोग घर खरीद रहे हैं, वाहन ले रहे हैं और निवेश करने का साहस दिखा रहे हैं। यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

वास्तव में भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार नीतिगत स्थिरता है। पिछले वर्षों में आधारभूत संरचना निर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण प्रोत्साहन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, जीएसटी, बैंकिंग सुधार और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। वस्तुतः आज भारत को लेकर इसलिए ही दुनिया की अनेक शक्तिशाली संस्थाएं- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एसएंडपी और फिच भी भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं को सकारात्मक मान रही हैं।स्पष्ट है कि भारत की आर्थिक मजबूती किसी एक रिपोर्ट या एजेंसी के मूल्यांकन का परिणाम नहीं है। इसके पीछे मजबूत नीतियां, विशाल घरेलू बाजार, बढ़ता निवेश, बैंकिंग स्थिरता, डिजिटल क्रांति, विदेशी मुद्रा भंडार और जनविश्वास जैसे अनेक ठोस आधार मौजूद हैं। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भी भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और विश्व की सबसे भरोसेमंद अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह लगातार मजबूत कर रहा है।

हर सत्ता अपना अंत स्वयं लिखती है

> जनवरी में मेरा वेलूर मठ और दक्षिणेश्वर जाना हुआ। पहले भी गया हूँ और कोलकाता के वे स्थान, जहाँ स्वामी विवेकानंद की स्मृतियाँ ताजा हैं। महर्षि अरविंदो, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिमचंद्र, शरतचंद्र के अलावा बड़ा बाजार की पुरानी इमारतों के बीच ठाकुरबाड़ी, जहाँ गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर के परिवार की अनगिनत यादें हैं।

विजय मनोहर तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति पाप का एक ऐसा घड़ा भर रही थी, जो कब का लबालब हो चुका था। उसे इतनी ही जोर से फूटना ही था। अब तक तीन ताकतें ही बंगाल में काबिज रहीं। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और फिर टीएमसी। तीनों ही अलग नहीं हैं। तीसरी ताकत पहली से टूट कर ही बनी। पहली और दूसरी की यारी ईमान पर टिकी थी। ईमान का यह तत्व टीएमसी में जन्मजात था। ईमान को मजबूत बताने की होड़ तय करती थी कि घुसपैठियों के प्रति कौन कितना दयावान है। इन नतीजों ने देश के दूसरे हिस्सों में पहले ही दिवालिया हो चुके ₹मजहबी वोटबैंक' की एक और मजबूत ब्रांच को उजाड़ दिया है।

कम्युनिस्टों के लंबे कब्जे में आने के बाद कोलकाता धीरे-धीरे एक कबाड़खाना ही बन गया। नाजायज कब्जों और वसूली का ऐसा मॉडल शायद ही देश में कहीं हो। शानदार शोरूम वाले भीड़ भरे बाजारों के चौड़े फुटपाथ अतिक्रमण में ऐसी दुकानों को दे दिए गए, जिनके मुंह शोरूम की तरफ थे। पूरे कोलकाता में यह एक समांतर अर्थव्यवस्था है, जिसकी सत्ता कम्युनिस्टों के हाथ से खिसक कर टीएमसी के हाथ में आ गई क्योंकि हारने के बाद गलियों के सारे कम्युनिस्ट गिरोह टीएमसी की तगाड़ी उठाने लग गए। कुछ नहीं बदला। पोरिबर्तन केवल एक नारा साबित हुआ था।

अंग्रेज आर्किटेक्ट और टाउन प्लानर आज के कोलकाता में राइटर्स बिल्डिंग से होकर तीन-चार किलोमीटर चारों ओर के बाजारों और फुटपाथों पर घूमकर देखें तो एक स्वर कहेंगे-₹ये इसी लायक थे।'

केवल कोलकाता ही नहीं दूसरे शहरों में भी बंगाल विचित्र है। रेलवे स्टेशनों पर आपने कब्जे बाहर देखे होंगे मगर स्टेशन मास्टर के ऑफिस से सटकर दोनों तरफ प्लेटफॉर्मों पर रेल के डिब्बों की तरफ खुलती दुकानों का बाजार देश में कहीं नहीं देखा होगा। रेलवे की जमीन पर प्लेटफार्मों पर कब्जों का यह अनूठा प्रयोग केवल बंगाल में ही संभव हुआ। रेलमंत्री या मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी के ₹पोरिबर्तन' में यह कोई विषय ही नहीं था। नशे के फैलाव के कारण पंजाब को एक फिल्म में ₹उड़ता हुआ पंजाब' कहा गया। बंगाल की कई यात्राओं के बाद मैंने बहुत दुख से इसे ₹सड़ता हुआ बंगाल' कहा था। ये नतीजे बता रहे हैं कुछ उम्मीद बाकी है। वह पूरी तरह सड़ा नहीं है।

जनवरी में मेरा वेलूर मठ और दक्षिणेश्वर जाना हुआ। पहले भी गया हूँ और कोलकाता के वे स्थान, जहाँ स्वामी विवेकानंद की स्मृतियाँ ताजा हैं। महर्षि अरविंदो, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिमचंद्र, शरतचंद्र के अलावा बड़ा बाजार की पुरानी इमारतों के बीच ठाकुरबाड़ी, जहाँ गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर के परिवार की अनगिनत यादें हैं। हर बार मैं सोचता रहा कि ये विभूतियाँ अगर आज के बंगाल की हालत देखें तो क्या सोचेंगी? इतने गहरे सांस्कृतिक संस्कारों और सरोकारों वाले पुनर्जागरण की भूमि को यह कौन-सा अभिशाप जकड़े हुए है?

बंकिम अपनी मातृभूमि का वंदन करने के लिए उस सरहद के किस तरफ मुंह करेंगे, जिसकी दूसरी ओर से आने वाले अपराधी घुसपैठिए इस तरफ के बंगाल का राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाज शास्त्र उलटने में लगे हैं और उन्हें पोसने वाले यहाँ वंदनवार सजाए हुए हैं। उन्हें कोलकाता से ढाका तक देखना होगा कि डायरेक्ट एक्शन से रक्तरंजित उनकी मातृभूमि किस बुरे हाल से गुजरी है और रक्तबीजों की अमरबेल कहाँ-कहाँ लिपटी पड़ी है। अतीत में झाँकना हर समय सुखद नहीं होता मगर वह ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ निष्कर्ष हमें जरूर देता है। कोई भी राजनीतिक दल सीटों की संख्या के हिसाब से सिमटना और सिकुड़ना बाद में शुरू करता है, पहले वह वैचारिक रूप से दिवालिया होता है। विचार ही राजनीति में महत्वपूर्ण है। आजादी के बाद का इतिहास हर दशक में हर राज्य में अपनी परतें उघाड़ता है। स्वाधीनता संघर्ष की खुमारी सत्ता में जितना टिकाए रख सकती थी, टिकाया मगर भारत के लिए कोई नया और मौलिक विचार उस दौर की राजनीति पैदा नहीं कर सकी। सत्ता ही विचार में थी, जो केंद्र के बाद राज्यों में भी परिवार केंद्रित होती गई। इसलिए आपातकाल तक आते-आते सब बिखरने लगा। विचारहीन राजनीति कोई सबक सीखने लायक भी नहीं बचती। बूढ़े दरख्त की सूखी शाख ठूँठ हो जाती हैं। हरी कोंपले वहाँ नहीं आती। रात के वक्त वहाँ बैठे उल्लू सिर घुमाकर आँखें चमकाते हैं। आजादी के बाद हुए हजारों छोटे-बड़े आंदोलनों को देखें। ऐसे आंदोलन जिन्होंने देश की राजनीति को स्थाई रूप से प्रभावित और परिवर्तित किया। अयोध्या के राममंदिर आंदोलन को आप किस कसौटी पर रखेंगे? एक विचार को लेकर कुछ नेता एक नई-नई पार्टी बनाकर देश में घूमते-भटकते रहे। उन्हें दकियानूसी कहा गया, जिनका आधुनिक विश्व की जरूरतों से कोई सरोकार नहीं था। वे बार-बार की हार से भी नहीं हारे। हार-हारकर भी अपने विचार पर टिके रहे-तुष्टिकरण का विरोध, कश्मीर में 370, समान नागरिक संहिता और अयोध्या में एक मंदिर। सब हँसते थे। गरियाते थे। मजाक उड़ाते थे। मगर उनके पास कोई दूसरा मौलिक विचार भी नहीं था। दिल्ली, लखनऊ, पटना, श्रीनगर, चेन्नई, चंडीगढ़ में सत्ता परिवारों के पास थी। विचारहीन पारिवारिक रियासतें, जिनके लिए सत्ता ही विचार थी। बंगाल पर लौटते हैं। बंगाल एक कठिन और जटिल राजनीतिक भूमि है। दशकों की बिगड़ी आदतें हैं, जो रक्त में समा गई हैं और इनका शुद्धिकरण सरल नहीं है। दो सौ पार का यह परिणाम बेचैन बंगालियों की अनंत अपेक्षाओं का एक भारी-भरकम बोझ भी है, जो अब नए कंधों पर है। मगर असंभव को संभव बनाना भी केवल राजनीति से ही संभव है। बिहार, यूपी और असम में एक जैसी समस्याओं का विस्तार है, जिनमें डेमोग्राफी सबसे चिंतानक है। वोट बैंक बनाकर तुष्टिकरण की राजनीति ने इस घुन को लगभग पूरे देश में फैलने के लिए अनुकूल जमीन तैयार की है, जिसके बुरे परिणाम पूरे देश में उबलते देखे जाते हैं। बंगाल के नए नेतृत्व को वास्तविक परिवर्तन के लिए असम, यूपी और उत्तराखंड के तजुर्बों से बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। परिणाममूलक परिवर्तन के कुछ सूत्र हेमंता बिस्वा सरमा से लेने ही पड़ेंगे, कुछ पाठ योगी आदित्यनाथ से सीखने होंगे और थोड़ा सा पुष्कर सिंह धामी की पहली कक्षा में झांकते हुए आगे बढ़ना होगा। इन तीनों सीनियर्स में एक को तीसरी बार चुना गया है, दूसरे दूसरी पारी खेल रहे हैं और तीसरे पहली बार के सीएम हैं। इस गुरुकुल में केवल ये तीन ही बंगाल के नए नेतृत्व के लिए अनुकरणीय पाठशालाएँ हैं और सबसे ऊपर दिल्ली के कुलाधिपति। कठोर अनुशासन, सुविचारित योजना, निर्णय क्षमता और निडरता से क्रियान्वयन कुछ ऐसे मंत्र हैं, जो सबके लिए प्रभावी होते हैं। इन पर अमल के लिए किसी ने किसी को नहीं रोका है।

बंगाल लंबे समय के लिए अवसर देता है। वह दूसरे उन राज्यों जैसा नहीं है, जहाँ एक बार ये और दूसरी बार वो। बंगाल बार-बार के बदलाव में यकीन नहीं करता। वह एक बार ही झाड़ू फेर देता है। आजादी के बाद कांग्रेस सिरमौर रही, तीन दशक तक कम्युनिस्टों को सिर पर बैठाया और डेढ़ तक टीएमसी को लादे रहा। दोनों के चक्कर में कीमती 50 साल बरबाद हो गए। देश कहाँ से कहाँ पहुँच गया और बंगाल किस चक्रव्यूह में फँसा रहा।

अब अगले खिलाड़ी विजेता बनकर आ रहे हैं तो 80 साल के इन तजुर्बों से कुछ सीखकर वे उम्मीदें जगा सकते हैं। एक लंबी पारी उनके हिस्से में है। 15 साल पहले टीएमसी ने बड़े जोर से परिवर्तन का नारा कम्युनिस्टों के कुशासन से मुक्ति के रूप में दिया गया था। मगर टीएमसी ने कम्युनिस्टों की राजनीतिक टेम्पलेट से ही काम चलाकर बंगाल की बदहाली को और बढ़ा दिया। परिवर्तन के अब तक नारे सुनता रहा बंगाल क्या सचमुच में परिवर्तन का स्वाद चख पाएगा? सत्ता अपना आरंभ स्वयं लिखती है और अपना अंत भी। बंगाल में एक अंत लिखा गया है और एक आरंभ भी!

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बाबा बफार्नी के दर्शन का क्या है महत्व?

अमरनाथ यात्रा का नाम सुनते ही हमारे में भगवान शिव की पवित्र गुफा का चित्र उभर आता है। हर साल हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा और बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए आते हैं। जो भी भक्त सच्चे मन से इन यात्रा को पूरा करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। अमरनाथ की यह पवित्र गुफा जम्मू-कश्मीर के हिमालय में करीब 12,756 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हर साल सावन महीने में यहां पर भगवान शिव के स्वयंभू हिमलिंग के दर्शन होते हैं। माना जाता है कि जब भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व के रहस्य के बारे में बताया था, तब यह गुफा उनके संवाद की साक्षी बनी थी। इसी कारण से इस गुफा को अमरनाथ कहा जाता है। तो आइए जानते हैं

अमरनाथ गुफा और बाबा बफार्नी के दर्शनों के महत्व के बारे में...

अमरनाथ यात्रा

बता दें कि अमरनाथ यात्रा का सिर्फ धार्मिक ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक महत्व भी बड़ा है। ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन, कठिन रास्ते और ठंड के बावजूद भक्त यहां पहुंचते हैं। जोकि उनके अटूट विश्वास और श्रद्धा को दिखाता है। इस यात्रा में धैर्य, आस्था, अनुशासन और सेवा की झलक देखने को मिलती है।

धार्मिक महत्व

पुराणों के मुताबिक अमरनाथ गुफा वह जगह है, जहां पर भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। इस अमर कथा को सुनने के बाद भी जो जीव जीवित रह जाता है, वह अमर हो जाता है। इसलिए महादेव ने यहां पर सबकुछ त्याग दिया था और फिर मां पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। बताया जाता है कि भगवान शिव के अपने वाहन नंदी, नागों और गणों को भी दूर भेज दिया था, जिससे कोई और इस रहस्य को न सुन सके। लेकिन एक कबूतर के जोड़े ने इस कथा को सुन लिया था और तब से माना जाता है कि वह आज भी अमर हैं। इस कथा की वजह से इस गुफा को अमरनाथ गुफा कहते हैं।

अमरनाथ यात्रा के फायदे

माना जाता है कि अमरनाथ यात्रा करने से जातक के जीवन के सभी पाप समाप्त हो जाते हैं।

अमरनाथ यात्रा को मोक्ष प्राप्ति का भी मार्ग माना जाता है।

भगवान शिव का आशीर्वाद और कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन के रोग, दुख और कष्ट दूर हो जाते हैं।

अमरनाथ यात्रा में कठिनाइयों का सामना करने से व्यक्ति का मन मजबूत होता है और उसको भीतरी शांति मिलती है।

शिवभक्तों के बीच में रहकर भजन-कीर्तन सुनकर भक्ति और विश्वास कई गुना बढ़ जाता है।

क्यों खास है यात्रा

अमरनाथ यात्रा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पहुंचने के लिए लोगों को 30 से 40 किमी की कठिन चढ़ाई करनी पड़ती है। कई जगह पर रास्ते संकरे और फिसलन भरे होते हैं। वहीं यहां पर ठंड इतनी अधिक होती है कि कई बार टेंपरेचर माइनस में चला जाता है। लेकिन इसके बाद भी हर मुश्किल को पार करके श्रद्धालु बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए आते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

सातवें दिन भी जारी रहा शेरशाहबादी समाज का महाधरना

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड सह अंचल मुख्यालय परिसर में जारीअनिश्चितकालीन महाधरना रविवार को सातवें दिन भी जारी रहा।सात दिनों से लगातार चल रहे इस आंदोलन में समुदाय के लोगों का उत्साह और भागीदारी लगातार बढ़ती नजर आ रही है।धरनास्थल पर बड़ी संख्या में छात्र युवा महिलाएं और बुजुर्ग मौजूद रहे।आंदोलन के सातवें दिन शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया,जिसमें संगठन केपदाधिकारियों ने आंदोलन की पृष्ठभूमि समुदाय की समस्याओं और प्रशासन के रवैये को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुखिया मो. इशतियाक ने कहा कि शेरशाहबादी समुदाय झारखंड सरकार की पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल है,इसके बावजूद वर्षों से समुदाय के लोगों को जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। इसका सीधा असर छात्रों और युवाओं पर पड़ रहा है।जो शिक्षा, परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लाभ से वंचित हो रहे हैं। पिछले सात दिनों से समुदाय शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है,लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन मामले को गंभीरता से लेने के बजाय केवल तकनीकी कारणों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है।उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थानीय जांच के आधार पर शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, जबकि झारखंड में भी वर्ष 2012 तक यह प्रक्रिया लागू थी।ऐसे में अब प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जाना समुदाय के साथ अन्याय है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।आने वाले दिनों में जिला स्तर पर बड़े आंदोलन और जनप्रतिनिधियों के घेराव की रणनीति पर भी विचार किया जा रहा है।धरनास्थल पर दिनभर नारेबाजी का दौर चलता रहा।आंदोलनकारियों ने एक स्वर में कहा कि जब तक शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत नहीं किया जाता,तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।मौके पर मोअजमाइल, तोफाइल हक,शकील अहमद, शाहीन अख्तर,वसीम अकरम, मोबास्सेर हुसैन,सोलेमान शेख, मोफक्कार हुसैन, अतिकूर रहमान, महमूद आलम सहित समाज के कई गणमान्य लोग छात्र-युवा एवं सैकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

वार्ड बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर विशेष चचाएँ

साहिबगंज : शहर के मछुआ सोसाइटी में झारखंड मुक्ति मोर्चा नगर कमेटी की बैठक की गई।बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष आदित्य यादव नगर सचिव नुमान अंसारी के द्वारा किया गया।जिसमें जिला कमेटी के द्वारा पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय समिति सदस्य सुरेंद्र यादव और मुख्य अतिथि के रूप में नगर पार्षद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य बीएलए 2 का एस. आई .आर में कार्यों को समझाया गया । वार्ड बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर विशेष चचाएँ की गई.बैठक में धर्मराज मंडल, आलोक ओझा,गोपाल मंडल,विनीत पोद्दार,विवेक ओझा,पीयूष मंडल, सरिता देवी,वार्ड पार्षद डोम भैया,दीपा देवी,अभिषेक कुमार,रमीज राजा, वारिस अनवर तारीख अनवर,शाह कमर,विनोद यादव,अंकित तंबाकूवाला, सिद्धनाथ शर्मा,हलचल यादव,मालू यादव,सोनू सिंह,विकास कुमार,आमिर सोहेल,शमशेर आलम,रंजीत दास, मुकेश दास,सुभाष यादव इत्यादि मौजूद रहे।

जागरूकता से सामाजिक बुराइयों पर लगेगी लगाम

विष्णुगढ़ : प्रखंड के नवादा में रविवार को समाज में व्याप्त बुराइयों की रोकथाम, सामाजिक जागरुकता और आपसी एकता को लेकर एक बैठक की गई। इसमें हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद एवं बोकारो जिले के कई सदर, सेक्रेटरी, समाजसेवी, बुद्धिजीवी, उलेमा ए किराम तथा इमामों ने भाग लिया। बैठक में विशेष रूप से शादी-विवाह में बढ़ती फिजूलखर्ची, नशाखोरी, कव्वाली, गैर-जरूरी रस्म, दूसरों का हकमारी तथा समाज में व्याप्त अन्य सामाजिक बुराइयों पर चिंता व्यक्त की गई। इन बुराइयों की रोकथाम के लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने और समाज को सादगी, शिक्षा एवं आपसी भाईचारे की ओर ले जाने का संकल्प लिय गयाा। हजारीबाग जिला इदारा-ए-शरिया के संयोजक महमूद आलम ने कहा कि समाज की मजबूती शिक्षा, इंसाफ और अच्छे अखलाक से आती है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि लोग दिखावे और फिजूलखर्ची से बचें तथा आने वाली नस्लों को बेहतर माहौल देने के लिए सामाजिक सुधार की दिशा में मिलकर काम करें। कहा कि समाज में फैल रही बुराइयों के खिलाफ जागरूकता लाना हर जिम्मेवार व्यक्ति का फर्ज है।

नवादा पंचायत के राजा जामा मस्जिद के खतीब व इमाम हजरत हाजी हाफिज इलियास अहमद मिस्बाही ने कहा कि इस्लाम अमन, सादगी और इंसानियत का पैगाम देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि समाज को बुराइयों से बचाने और अच्छाइयों को बढ़ावा देने के लिए सभी लोग एकजुट होकर कार्य करें। बैठक में कई गणमानय लोग मौजूद थे।

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीता माताओं का दिल

हजारीबाग : रविवार को जिला मुख्यालय सहित विभिन्न प्रखंडों में अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस बड़े ही उत्साह और भावपूर्ण तरीके से मनाया गया। स्कूलों और सामाजिक संगठनों ने माताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए कई विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। डीएवी पब्लिक स्कूल, हजारीबाग में इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालय के जूनियर सेक्शन के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, भावपूर्ण कविताएँ और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर माँ के त्याग और ममता को दर्शाया। प्राचार्य डॉ. रजनीश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने हस्तनिर्मित कार्ड और शुभकामना-पत्र अपनी माताओं को भेंट किए। जिससे वातावरण अत्यंत भावनात्मक हो गय

एनटीपीसी एनएमएल केरेडारी के सीकरी साइड ऑफिस में भी एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ संस्कृति महिला समिति द्वारा सहयोगी कार्यबल की माताओं को उनके परिवार और कार्यस्थल के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। समिति की अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीखंडे और उपाध्यक्ष मीनाक्षी सक्सेना ने समाज में मातृत्व के महत्व पर जोर दिया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय यूसेट हजारीबाग और विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत चित्रकला और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।जहाँ छात्रों ने माँ के प्रति अपनी भावनाओं को कला के माध्यम से उकेरा।लिटिल विंग्स स्कूल हेसालौंग मे बच्चों ने माताओं के लिए विशेष पेंटिंग्स और कोलाज बनाए। जिला प्रशासन के निर्देशन में विभिन्न प्रखंडों में 'ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस का भी आयोजन किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जाँच और सुरक्षित मातृत्व के प्रति परामर्श दिया गया। मातृ दिवस का दिन हजारीबाग के लोगों के लिए केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि माताओं के निस्वार्थ प्रेम और योगदान को याद करने का एक यादगार अवसर रहा।

सतगावां में वाहन ने पेड़ मे मारी टक्कर, 10 घायल, सदर रेफर

कोडरमा : जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत खूंटा के समीप बरियारपुर मोड़ पर रविवार की देर रात एक चारपाहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उसमें सवार 10 लोग घायल हो गए। वाहन के चालक संजीव कुमार के अनुसार उक्त वाहन में 10 लोग गयाजी (बिहार) से सवार होकर सतगावां के रास्ते देवघर (बैजनाथ धाम) एक बच्चे का मुंडन करवाने जा रहे थे। इसी दौरान सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत खूँटा के बरियारपुर के समीप एक तीखे मोड़ सामने से आ रही एक वाहन ने उन्हें चकमा दे दिया। जिससे उनका अपने वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और वाहन सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। इस टक्कर से इतनी जोर की आवाज हुई कि घटनास्थल से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गांव वालों को इसकी आवाज सुनाई दी। जिसके बाद ग्रामीण वहां पहुंचे। ग्रामीणों ने वहां देखा कि गाड़ी में सभी लोग घायल अवास्था में पड़े हुए थे और मदद के लिए चीख रहे थे। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी के अंदर फंसे सभी घायलों को गाड़ी का शीशा फोड़कर बाहर निकाला और निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद सतगांवां पहुंचाया। जहाँ घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को सदर अस्पताल कोडरमा भेजा गया। जहां सभी का इलाज जारी है। घायलों की पहचान 30 वर्षीय विनीता देवी पति उमेश यादव, 45 वर्षीय मंजू कुमारी, 35 वर्षीय रीना देवी पति राजकुमार यादव, 32 वर्षीय मंजय कुमार, पिता रामेश्वर यादव, 55 वर्षीय प्रदीप यादव पिता महेश यादव, 70 वर्षीय कौशल्या देवी पति प्रदीप यादव, 12 वर्षीय जीवा कुमारी पिता रवि कुमार, 14 वर्षीय सपना कुमारी पिता वृंदा यादव तथा चालक 40 वर्षीय संजीव कुमार पिता शिवचरण राणा के रूप में की गई है।

साहिबगंज में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिले में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव-गांव, पंचायतों, नगर निगम क्षेत्रों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थानों में जागरूकता शिविर आयोजित कर आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां पीएलवी न्याय मित्रों ने ग्रामीणों महिलाओं युवाओं एवं बच्चों को कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम के दौरान श्रम कानून, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, महिला उत्पीड़न से संबंधित कानून, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को यह भी बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाएं, बच्चे, वरिष्ठ नागरिक एवं जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में लोगों द्वारा पूछे गए विभिन्न कानूनी प्रश्नों का सरल भाषा में समाधान भी किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि यह अभियान लगातार 90 दिनों तक संचालित किया जाएगा, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और कानूनी सहायता की पहुंच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना है।

श्रीशतचंडी महायज्ञ में शिव चर्चा पर भावविभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता

बरही : बरही के कोनरा भगवती मंदिर में आयोजित श्रीशतचंडी महायज्ञ में शिवचर्चा का आयोजन हुआ। शिवचर्चा में बताया गया कि भगवान शिव उन सबका कल्याण करते हैं जो दूसरों को दुःख नहीं पहुंचाते। सारी प्रकृति भगवान शिव के अधीन है और परस्पर एक दूसरे से जुड़ी है। शिवचर्चा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल थे। सामुहिक शिव भजन सुनकर श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में सराबोर हुए। शिवचर्चा में शामिल श्रद्धालुओं ने देवाधिदेव महादेव को अपना गुरु मानकर स्वयं को सौभाग्यशाली बताया। भगवान शिव की महिमा का बखान करते हुए कहा गया कि सभी के एकमात्र गुरु भगवान शिव ही हैं।

उनकी राह पर चलने वाला इंसान जीवन में कभी दुखी नहीं होता। जगत को सुख प्रदान करने के लिए भगवान शिव ने अपने गले में विष को धारण कर लिया था। भगवान शिव के ऐसे ज्ञान जिसमें जगत का कल्याण हो को धारन करने वाला इंसान जीवन में कभी नहीं भटकता और न कभी परेशान होता है। देर शाम तक चले भजन-कीर्तन से पूरा यज्ञशाला परिसर शिवमय बना रहा।

गांधी मैदान से हटाया जाएगा सब्जी बाजार और करवायी जाएगी सफाई: मेयर

एजेंसी

हजारीबाग : गांधी मैदान को सुंदर और व्यवस्थित रूप देने की दिशा में नई पहल शुरू की जा रही है। रविवार की सुबह गांधी मैदान में मेयर अरविंद राणा पहुंचे। इसके लिए एक समिति गठित की जाएगी जो मैदान के सौंदर्यीकरण और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगी। योजना के अनुसार, मैदान को पटना के गांधी मैदान की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। निगम ने तय किया है कि जून माह तक एक कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा ताकि नागरिक अपनी शिकायतें और सुझाव सीधे भेज सकें। इस कॉल सेंटर में प्राप्त शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाएगा। मेयर अरविंद राणा को मटवारी निवासी डीओ एलआईसी अजय कुमार और स्थानीय पार्षद की पहल पर की गयी थी। नगर निगम की कार्ययोजना के तहत 56 वाहन वार्डों में नियमित रूप से तैनात किए जाएंगे। जो सफाई और रखरखाव का कार्य करेंगे।

रविवार को हुई बैठक में तीन वार्ड पार्षदों ने भाग लिया और गांधी मैदान से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। तय हुआ कि मैदान में मौजूद हर समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। जहां-जहां चहारदीवारी टूटी या खुली हुई है, उसे जल्द ही बंद करवाया जाएगा। मैदान के आसपास फैले अवैध बाजार को हटाने की भी योजना है ताकि क्षेत्र में सुव्यवस्थित वातावरण बन सके। मैदान के अंदर बने ट्रैक को ऊंचा और मजबूत किया जाएगा ताकि किसी भी मौसम में वहां गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकें। इन सभी कार्यों को दो से तीन महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। गांधी मैदान को एक रेवेन्यू देने वाला प्रमुख मैदान माना जाता है। यहां के लोगों द्वारा हर साल 60 लाख रुपये से अधिक का राजस्व नगर निगम को दिया जाता है। इस कारण निगम और समिति ने इसे विशेष प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। समिति यह भी सुनिश्चित करेगी कि मैदान में होने वाले मेला और अन्य आयोजन एक निर्धारित किनारे में ही किए जाएं ताकि मुख्य मैदान की सुंदरता प्रभावित न हो। नई समिति के गठन और निगम की सक्रियता से उम्मीद है कि गांधी मैदान जल्द ही एक आदर्श और आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में पहचाना जाएगा, जो न केवल स्थानीय लोगों के लिए गौरव का केंद्र बनेगा बल्कि शहर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान वार्ड आठ मन्नू गोस्वामी वार्ड सात के रिंकू वर्मा वार्ड 12 के पार्षद पति रामू वर्मा मौजूद थे। इस दौरान डॉ कौशलेंद्र, डॉ इंद्रजीत, डॉ संजय, इंद्रगोप, दीपक शर्मा, रवीश तिवारी, संतोष कुमार, अनिल मिश्रा, रामप्रवेश सिंह, संजीव सिंह समेत कई लोग मौजूद थे।

निजी स्कूलों की समस्याओं का निष्पादन और अपना पूरा सहयोग देंगे : पंकज मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन इकाई साहिबगंज की एक बैठक रविवार को एन.आर.पी. सेंटर साहिबगंज में हुई।इस बैठक में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा थे।बैठक की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष मनोज कुमार झा ने की सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ.संजय भगत भी उपस्थित रहे।साथ ही झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के संरक्षक प्रो.कमल कुमार महावर भी उपस्थित थे।मंच का संचालन गरिमा साह ने किया।जबकि धन्यवाद ज्ञापन वीरेंद्र सिंह ने किया।अतिथियों के परिचय उपरांत मुख्य अतिथि पंकज मिश्रा,प्रो कमल महावर, डॉ.संजय भगत,अध्यक्ष मनोज झा,कालिदास पाठक,सत्यजीत कृष्ण आदि ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।एन.आर.पी. सेंटर के बच्चियों के द्वारा अतिथियों के लिए स्वागत गान का मंचन किया गया।कार्यक्रम में सचिव सत्यजीत कृष्ण के द्वारा सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।अध्यक्ष मनोज झा व संरक्षक प्रो कमल कुमार महावर ने मुख्य अतिथि पंकज मिश्र व संजय भगत को शाल ओढ़ाकर व माला पहना कर उनका सम्मान किया।सचिव द्वारा संरक्षक प्रो.कमल कुमार महावर व अध्यक्ष मनोज झा को अंग वस्त्र तथा माला पहनकर सम्मान किया गया। अध्यक्ष ने स्वागत भाषण में सभी साहिबगंज जिले से पधारे निजी स्कूलों के संचालक ,प्राचार्य,शिक्षिकाओं उपस्थित महिलाओं का अभिनंदन किया।प्रो.महावर ने अपने उद्बोधन में निजी स्कूलों की स्थिति पर विस्तृत रूप से चर्चा की व बच्चों की शिक्षा का विशेष महत्व है इस पर चर्चा की इन्होंने बताया कि साहिबगंज जिले में लगभग डेढ़ सौ निजी स्कूल कार्यरत है जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं सरकार ने मान्यता हेतु शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लिए भूमि का निर्धारण किया है।प्रो.महावर ने बताया कि भूमि की बध्यता को समाप्त या शिथिल किए जाने की आवश्यकता है।क्योंकि क्षेत्र की अधिकतर भूमि कृत्रिम खास महल है व दानपत्र की है। ऐसी स्थिति में भूमि के मामले को शिथिल किया जाना उचित होगा।मुख्य अतिथि पंकज मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि निजी स्कूलों की समस्याओं का निष्पादन किया जाएगा। और अपना पूरा सहयोग देने का वादा किया।साथ ही अपने द्वारा किए जा रहे प्रयास की चर्चा करते हुए कहा कि गंगा के किनारे रिवर फ्रंट बनेगा अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार है।मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज व हवाई अड्डा का कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ होगा।रेलवे के विकास की चर्चा की तथा नई ट्रेने भी जल्द से जल्द प्रारंभ होगी।जिले से निजी स्कूलों के प्राचार्य बैठक में उपस्थित रहे।प्राचार्यों ने अपने-अपने वक्तव्य दिए.साहिबगंज जिले के प्रत्येक प्रखंड के लिए प्रखंड संयोजक बनाया गया ताकि पूरे जिलों के निजी विद्यालयों को संगठन से जोड़ा जाए. इस मौके पर संरक्षक उमानाथ पंडित, वीरेंद्र सिंह,प्रमोद सिंह,राजेश आर्य,अनिमा प्रमाणिक सरस्वती शिशु एकैडमी की प्राचार्या गंगा महावर, वात्सल्य किड्स की रूपम शाह,शारदे चिल्ड्रन एकेडमी से उत्तम कुमार चंद, अनुपम गोस्वामी,सद्दाम हुसैन, परमजीत घोष,अजय मंडल,अरुण, विजय यादव,गोपाल कृष्ण,संतोष उपाध्याय,संजीव यादव,अजय शाह,संजय ठाकुर,अशफाक आलम, कार्तिक हेंब्रम,छोटू लाल गुप्ता,कालिदास पाठक आदि काफी संख्या में निजी स्कूलों से आए प्राचार्य व प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रखंड में पेयजल संकट को लेकर विधायक निसात आलम की पहल

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम द्वारा बरहरवा प्रखंड में लगातार गहराते पेयजल संकट को लेकर की गई पहल अब तेज होती दिखाई दे रही है।क्षेत्र में पेयजल समस्या को गंभीर जनहित का विषय बताते हुए विधायक ने पूर्व में विधानसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया था। हालांकि विभागीय उत्तर से असंतुष्ट विधायक ने मामले को और गंभीरता से लेते हुए विभागीय मंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया कि बरहरवा प्रखंड के कई गांवों एवं पंचायतों में अब तक अपेक्षित कार्य नहीं हुआ है और आम जनता आज भी भीषण पेयजल संकट का सामना कर रही है।विधायक निसात आलम ने अपने पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया कि गर्मी के मौसम में क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। कई स्थानों पर जलमीनार बंद पड़े हैं, चापाकल खराब हैं तथा पाइपलाइन योजनाएं सुचारू रूप से संचालित नहीं हो रही हैं।इसके कारण महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। विधायक ने विभागीय कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की थी।विधायक की सक्रिय पहल एवं लगातार दबाव के बाद विभागीय मंत्री ने मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। मंत्री के निर्देश के आलोक में रविवार को विभाग की एक विशेष टीम बरहरवा प्रखंड के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में पहुंची और पेयजल व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण करते हुए वस्तुस्थिति का आकलन किया।निरीक्षण दल में संवेदक अमित कुमार सिंह,अभिषेक मिश्रा,विभागीय पदाधिकारी अरुण कुमार झा,सुनील कुमार यादव,शशि सिंह,उमेश मंडल एवं विजय मिंज शामिल थे।टीम ने क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर खराब पड़े जलमीनार, चापाकल, पाइपलाइन तथा अन्य पेयजल योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया।इस दौरान अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से दर्ज किया।विभागीय अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर विभाग को सौंपी जाएगी,जिसके आधार पर आगे की आवश्यक एवं अग्रसर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि जिन क्षेत्रों में पेयजल संकट अधिक गंभीर है,वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराया जाएगा।मौके पर बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, मो.काजल, साफीकुल, डॉ. महबूब, आलमगीर, अनुकूल जमीरुल सहित कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्या हुमा कुरैशी रूमर्ड बायफ्रेंड रचित सिंह से कर रही हैं शादी? जानिए कब शुरू होंगी रस्में

हुमा कुरैशी ने कथित तौर पर 2025 में 'थामा' फिल्म के अभिनेता रचित सिंह से सगाई कर ली थी। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार, दोनों इस साल शादी करेंगे।

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी और रचित सिंह की शादी की चर्चा काफी समय से हो रही है। ताजा जानकारी के अनुसार सगाई के बाद अब दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं। वे कई बार सार्वजनिक जगहों पर साथ दिख चुके हैं।

कब करेंगे हुमा और रचित शादी?

एक खबर के अनुसार, हुमा और रचित दोनों ने सितंबर 2025 में अमेरिका में निजी समारोह में सगाई कर ली थी। ताजा जानकारी के अनुसार, वे इसी साल अक्तूबर के आखिर या फिर नवंबर में शादी कर सकते हैं। शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कौन होगा शादी में शामिल?

हुमा और रचित की शादी निजी तरीके से होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के अलावा करीबी सदस्य और दोस्त ही शामिल होंगे। इसके बाद मुंबई में फिल्म जगत के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

हुमा ने की रचित की तारीफ

रचित सिंह ने हाल ही में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हुमा ने इंस्टाग्राम पर रचित की तारीफ करते हुए लिखा था कि वह बनारस से मुंबई खाली हाथ आए थे। उन्होंने एक्टिंग कोच बनकर बहुत मेहनत की और आज उनकी मेहनत रंग ला रही है। हुमा ने कहा कि 'थामा' रचित की लगन और मेहनत का प्रमाण है और आगे उनके लिए और भी बड़ी फिल्में आने वाली हैं।

'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी

हुमा को आखिरी बार फिल्म 'सिंगल सलमा' में देखा गया था। हुमा की अगली फिल्म 'टॉक्सिक' है। 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है। 'टॉक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। हुमा के अलावा 'टॉक्सिक' में नयनतारा और कियारा आडवाणी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'फिर वे चीजें आपकी नहीं रहती'

जब करीना के 'कल हो ना हो' छोड़ने पर प्रीति जिंटा ने दी थी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड की दुनिया में कई बार ऐसी फिल्में बनती हैं, जिनसे जुड़े किस्से सालों बाद भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कल हो ना हो' को लेकर भी कुछ ऐसी चर्चा लंबे समय तक बनी रही है। अब इस फिल्म से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रीति जिंटा करीना कपूर के बयान पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखती नजर आ रही है। इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो 'कॉफी विद करण' शो का है, जिसे मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करते हैं। बातचीत के दौरान करण जौहर ने प्रीति जिंटा से उस चर्चा पर सवाल किया, जिसमें कहा जाता रहा कि फिल्म 'कल हो ना हो' के लिए पहले करीना कपूर खान को चुना गया था। दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना कपूर को पहले यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन बात फीस को लेकर अटक गई। कहा जाता है कि करीना ने फिल्म के लिए उतनी ही फीस मांगी थी, जितनी फिल्म के स्टार शाहरुख खान को दी जा रही थी। इसके बाद मामला आगे नहीं बढ़ पाया और फिल्म प्रीति जिंटा को मिल गई। करण जौहर ने शो में प्रीति से पूछा, ''करीना इस फिल्म की पहली पसंद थीं, उनकी जगह आपको कास्ट किया गया। आपको असल में कैसा लगा?'' इस सवाल का जवाब प्रीति जिंटा ने बेहद सरल तरीके से दिया। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर कोई व्यक्ति दुकान में जाकर जींस पहनकर देखता है, लेकिन उसे खरीदता नहीं है, तो वह जींस उसकी नहीं हो जाती। लेकिन अगर बाद में कोई दूसरा व्यक्ति उसे खरीद लेता है, तो वह असल में उसी की ही कहलाती है।'' प्रीति जिंटा ने आगे कहा, ''मुझे याद है, जब आपने मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाई थी, तो मुझे हैरानी इस बात की हुई थी कि आखिर कोई इस फिल्म को करने से मना कैसे कर सकता है। मुझे कहानी बेहद पसंद आई थी।

⊙ उम्र पर पूछे जाने वाले सवालों पर
⊙ भड़कीं 52 साल की मलाइका अरोड़ा, बोलीं-

मर्दों से ये कोई नहीं पूछता

52 साल की हो चुकीं मलाइका अरोड़ा इस उम्र में भी कई यंग एक्ट्रेसेज को अपनी फिटनेस से फेल करती हैं. अक्सर मलाइका अरोड़ा से उनकी उम्र से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं. अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बढ़ती उम्र को लेकर महिलाओं और पुरुषों के साथ अलग-अलग व्यहवहार को लेकर बात की.

52 साल की मलाइका अरोड़ा ने फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल से ज्यादा का सफर तय किया है. मलाइका अरोड़ा अक्सर ही अपने लुक्स को लेकर हर तरफ छाई रहती है. हाल ही में मलाइका ने पुरुषों और महिलाओं की उम्र को देखने के नजरिए को लेकर बात की. उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि महिलाओं से लगातार उनकी के बढ़ती उम्र के बारे में सवाल पूछे जाते हैं, जबकि पुरुषों को शायद ही कभी ऐसे ही सवालों का सामना करना पड़ता है.

मलाइका अरोड़ा क्यों भड़कीं

एक हालिया पोडकास्ट में मलाइका अरोड़ा ने समय के साथ अपने लुक्स में आए बदलावों को लेकर लोगों की तरफ से पूछे जाने वाले सवालों पर कहा, 'कुछ दिन ऐसे होते हैं जब ये बातें मेरे मन में आती हैं, कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं साफ-साफ दिख रही बातों पर भी सवाल उठाती हूं. और फिर कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब मुझे बिल्कुल परवाह नहीं होती, क्योंकि मुझे पता है कि मैं वही कर रही हूं जो मुझे पसंद है. मैं अपनी जिंदगी के इस दौर का मजा ले रही हूं, मुझे लगता है कि मैं अपने सबसे अच्छे दौर में हूं और मैं अभी भी बहुत कुछ और करने के लिए बेताब हूं. मेरे लिए असल में यही बात सबसे ज़्यादा मायने रखती है. उन्होंने आगे कहा, 'मुझे जो बात दिलचस्प लगती है, वो ये है कि महिलाओं से लगातार उनकी उम्र, खूबसूरती और अट्रैक्शन के बारे में सवाल पूछे जाते हैं, जबकि पुरुषों को शायद ही कभी इस तरह की जांच-पड़ताल का सामना करना पड़ता है. एक महिला से हमेशा ये उम्मीद की जाती है कि वो ये बताए कि वो कैसी दिखती है, 'क्या तुम्हें अब भी लगता है कि तुम खूबसूरत हो? क्या तुम्हें अब भी लगता है कि तुम अट्रैक्टिव हो? इस उम्र में होना कैसा लगता है?' ये सवाल लगभग कभी भी पुरुषों से नहीं पूछे जाते. '

सायरा बानो ने हेमा मालिनी की खूबसूरती का किया जिक्र, याद किए साथ में बिताए दिन

गुजरे जमाने की खूबसूरत अभिनेत्री सायरा बानो से हाल ही में हेमा मालिनी उनके घर मिलने आईं। इस मुलाकात की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए सायरा बानो ने फिल्म 'दीवाना' की शूटिंग के दौरान हेमा मालिनी को पहली बार देखने की बात याद की। उन्होंने स्वीकार किया कि 'ड्रीम गर्ल' की खूबसूरती ने उन्हें पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया था। हेमा मालिनी से दोबारा मिलने की खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि ऐसा लगता ही नहीं कि कुछ ही दिन हुए हैं, जब हेमा अपनी चचेरी बहन प्रभा के साथ मुझसे मिलने मेरे घर आई थीं... और फिर जब मैंने सुना कि वह दोबारा आ रही हैं... मेरा दिल खुशी से झूम उठा। सायरा बानो ने आगे कहा कि जब वह (हेमा मालिनी) अंदर आईं, तो वह उतनी ही सुंदर लग रही थीं, और उसी क्षण मुझे 1966 में राज कपूर के साथ फिल्म 'दीवाना' के सेट पर उनसे हुई पहली मुलाकात याद आ गई। मुझे याद है, तब भी मैं उनकी खूबसूरती से पूरी तरह मंत्रमुग्ध हो गई थी–इसके लिए कोई और शब्द इतना सटीक नहीं हो सकता।

उन पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए उन्होंने आगे लिखा, 'उसके बाद हम कुछ बार फिर मिले, और मुझे कृष्णा राज सागर बांध पर बिताए अपने दिन बहुत प्यारे लगते हैं। हमारे कमरे अगल-बगल थे, जिसका मतलब था कि हमारे दिन स्वाभाविक रूप से एक साथ बीतने लगे। हम घंटों बरामदे में बैठकर हर बात करते थे, सौंदर्य, त्वचा की देखभाल, छोटी-छोटी दिनचर्या, ऐसी बातें जो तब बहुत महत्वपूर्ण लगती थीं, और शायद अपने सौम्य तरीके से थीं भी। हमारी माताएं भी हमारे साथ होती थीं, और अक्सर हमारी सहज, निश्चिंत बातचीत में कुछ ज्ञानवर्धक, कुछ स्थिर बातें जोड़कर उसे और भी सार्थक बना देती थीं। '

सलमान खान ने 'टोपी' का जिक्र करके फैंस को दी खास सलाह

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट के जरिए कुछ प्रेरणादायक बातें और सलाह शेयर किया है। इस पोस्ट की यूजर्स ने खूब तारीफ भी की। 'बजरंगी भाईजान' फेम अभिनेता ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की, जहां वह एक साधारण काली टी-शर्ट के साथ क्लासिक ब्लैक फेडोरा में बेहद खूबसूरत दिख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ सलमान खान ने खास कैप्शन लिखा, जिसने यूजर्स का ध्यान खींचा। सलमान ने लिखा, 'थिंकिंग, ये है कोई भी फील्ड में। सोच लो, समझ लो, क्लियर हो जाओ, फैसला लो और सब भूल के आगे बढ़ो और टोपी से याद आया, टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाओ नहीं, न किसी को पहनाने दो। ' 'टोपी' के जरिए सलमान खान ने ईमानदारी और सत्यनिष्ठा जैसे गुणों के महत्व पर जोर दिया। सलमान ने इस बात की ओर इशारा किया कि न तो किसी को धोखा देना चाहिए और न ही किसी को खुद को गुमराह करने देना चाहिए। उनकी पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने मजेदार कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। आपकी प्यारी तस्वीरें देखने के बाद मेरा रविवार बेहद खास हो गया। 'दूसरे यूजर ने लिखा, 'आप बेहद फिट और हैंडसम लग रहे हैं। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'मेरी जान, मेरा प्यार, मेरा आइडल, मेरा भाई... मैं अपने आइडल से हमेशा प्यार करता रहूंगा।' कई यूजर्स ने सलमान खान की तस्वीर की तारीफ की और कमेंट्स किए, 'कोई इतना हैंडसम कैसे हो सकता है। आई लव यू। ' वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान इस समय अपनी बहुचर्चित अगली फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। जबकि, चित्रांगदा सिंह सलमान खान के अपोजिट दिखाई देंगी। फिल्म की बात करें तो यह गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों और चीनी सैनिकों के साथ झड़प पर आधारित है। इस फिल्म में सलमान खान का एक्शन अवतार दिखाई देगा। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की नई टी20 लीग एनजेड20 की शुरूआत टली, अब दिसंबर 2027 में होगा शुभारंभ

एजेंसी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड क्रिकेट की नई पुरुष और महिला टी20 लीग ह्यएनजेड20ह्ल की शुरूआत को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस लीग की शुरूआत जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके दिसंबर 2027 में शुरू होने की संभावना है।

सोमवार को जारी बयान में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि लीग की स्थापना और लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। हालांकि, बोर्ड ने माना कि प्रतियोगिता को मजबूत और सफल बनाने के

लिए अभी और समय की जरूरत है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा, ह्लहम चाहते हैं कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक क्रिकेट के अनुरूप हो। एनजेड20 के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन लीग को दीर्घकालिक सफलता दिलाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है। उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पहले से तय टेस्ट श्रृंखलाओं के कारण कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिससे लीग के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 2026-27 सीजन में सुपर स्मैश प्रतियोगिता जारी रहेगी। साथ ही भारत और श्रीलंका की पुरुष टीमों तथा बांग्लादेश महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे।

एनजेड20 स्थापना समिति के अध्यक्ष डॉन मैकिनन ने कहा कि लीग को जल्दबाजी में शुरू करने के बजाय विश्वस्तरीय बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि एनजेड20 बिना किसी समझौते के शुरू हो और पहले दिन से ही दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार हो। यह भी जरूरी है कि यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ तालमेल में चले, न कि उसके खिलाफ।ह्ल

मैकिनन ने बताया कि न्यूजीलैंड और विदेशों से निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। इसी कारण अब लीग के प्रमुख निवेश साझेदार और विभिन्न फ्रेंचाइजी के मालिकों के चयन के लिए प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अतिरिक्त समय मिलने से फ्रेंचाइजी के शहरों और क्षेत्रीय पहचान को अंतिम रूप देने में मदद मिलेगी, ताकि लीग पूरे देश में मजबूत आधार बना सके।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुमार्ना, अंपायर से बहस करना पड़ा भारी

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर

मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना मैच के 17.2 ओवर के दौरान हुई, जब एंडी फ्लावर चौथे अंपायर के साथ आक्रामक अंदाज में बातचीत करते नजर आए। मैच रेफरी अमित शर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद एंडी फ्लावर को दोषी पाया। आरसीबी के मुख्य कोच ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और उन पर लगाए गए जुमार्ने को मान लिया। गौरतलब है कि रायपुर में खेले गए इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरी गेंद पर मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया था। मुकाबले का अंत बेहद तनावपूर्ण रहा, जिसके दौरान मैदान पर दबाव और भावनाएं साफ नजर आईं।

मनाली घूमने गए गुजरात के लोगों की कार खाई में गिरी, छह की मौत, चार घायल

एजेंसी

भावनगर : गुजरात के भावनगर से हिमाचल प्रदेश घूमने गए सिंधी समाज के एक परिवार की कार मनाली के पास खाई में गिर गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। हादसे की खबर मिलने के बाद यहां परिवार के बाकी सदस्यों और समाज में शोक की लहर फैल गई। रिश्तेदारों ने बताया कि ललितभाई फतनानी अपने परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश घूमने गए थे। सोमवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच परिवार कार से मनाली से बेला जा रहा था। रास्ते में कांगड़ा जिले के छाबा क्षेत्र में नेशनल हाइवे-28 पर उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। वाहन में बच्चों और ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। राहत और

बचाव टीम ने 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों में ललितभाई फतनानी, सोनियाबेन फतनानी, प्रियंकभाई भोपाणी, काजलबेन भोपाणी, दिव्यांशु भोपाणी ड्राइवर यशवंत कुमार हैं। घायलों में मयंकभाई फतनानी, फोरमबेन फतनानी, जियांश फतनानी और प्रियांशी भोपाणी शामिल हैं। सिंधु सेना प्रदेश अध्यक्ष कमलेश चंदाणी लगातार हिमाचल प्रदेश प्रशासन के संपर्क में हैं और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। कमलेश चंदाणी ने बताया कि तड़के उन्हें हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल हिमाचल प्रदेश प्रशासन और डिजास्टर टीम से संपर्क कर राहत एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई। उन्होंने कहा कि फतनानी और भोपाणी परिवार के कुल 9 सदस्य यात्रा पर गए थे, जिनमें से 5 पारिवारिक सदस्य व एक ड्राइवर समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

चंबा में खाई में गिरी पर्यटकों की इनोवा, गुजरात के 5 पर्यटकों सहित 6 लोगों की मौत

शिमला : हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भटियात उपमंडल में रविवार देर रात एक सड़क हादसे में गुजरात के छह पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ककीरा-लाहडू मार्ग पर उस समय हुआ, जब पर्यटकों से भरी एक इनोवा गाड़ी बारिश के बीच अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार हादसा रात करीब 3 बजे हुआ। इनोवा वाहन में सवार पर्यटक मनाली से डलहौजी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ककीरा-लाहडू मार्ग पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और कई फीट नीचे खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। बारिश और अंधेरे के बीच बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों और शवों को खाई से बाहर निकाला गया। घायलों को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में मरने वालों में पांच पर्यटक गुजरात के भावनगर के रहने वाले थे, जबकि वाहन चालक हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले का निवासी है। मृतकों में गुजरात निवासी ललित भाई फटनानी, ममता बेन पत्नी ललित भाई, काजल पत्नी प्रियंक कनहिया, दियांश पुत्र प्रियंक कनहिया, प्रियंक कनहिया लाल और हिमाचल के मंडी निवासी चालक जसवंत पुत्र हरी सिंह शामिल हैं। एसपी चम्बा विजय सकलानी ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि रात के समय भारी बारिश हो रही थी और दुर्घटना के बाद तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तराखंड में 12-13 मई को मौसम हो सकता है खराब, चारधाम यात्रियों से सावधानी बरतने की अपील

एजेंसी

देहरादून : मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने 12 और 13 मई को उत्तराखंड के कई पर्वतीय जिलों में तेज बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली और 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की चेतावनी आज जारी की है। इसके बाद प्रशासन ने चारधाम यात्रियों और पर्यटकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। केंद्र के पूवार्नुमान के अनुसार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। 4500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। अन्य पर्वतीय जिलों में भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गर्जन की संभावना बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि 12 मई और 13 मई को मौसम में बदलाव होने से भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़क अवरोध और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति की आशंका है। इसलिए चारधाम यात्रा मार्गों पर भी विशेष सतर्कता बरती जाए। तीर्थयात्री और स्थानीय लोग इस दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें। पेड़ों के नीचे शरण न लें। संवेदनशील ढलानों और नदी-नालों के आसपास सावधानी बरतें। केंद्र के अनुसार अगले एक-दो दिनों में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद फिर तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम की संभावना को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। आयुक्त ने कहा कि मौसम सामान्य होने के बाद यात्रा करना अधिक सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने सभी से प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के दिशा-निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया।

ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बोले

कृषि, डेयरी और सहकारिता से समृद्ध होंगे गांव

एजेंसी

अजमेर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्कर के कड़ैल गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में किसानों, युवाओं और ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि कृषि, डेयरी और सहकारिता क्षेत्र की मजबूती से गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण जीवन स्तर में व्यापक सुधार आएगा। उन्होंने किसानों से आधुनिक एवं जैविक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि परंपरागत खेती के साथ तकनीकी नवाचार और प्रोसेसिंग यूनिट्स से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य गांवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है। इसके लिए कृषि, पशुपालन, डेयरी, सहकारिता और स्थानीय

रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद पर बोनस, किसान सम्मान निधि, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट और दुग्ध उत्पादक संबल योजना जैसी योजनाएं किसानों और पशुपालकों को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय पैदावार के अनुरूप गांवों में प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होने से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही किसानों को फलदार वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने इसे आय वृद्धि और पर्यावरण संरक्षण दोनों के लिए उपयोगी बताया। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वरोजगार और रोजगार के लिए ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रही है तथा राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश समझौते धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित कर युवाओं के विश्वास को मजबूत किया गया है। कड़ैल गांव के 13 युवाओं को सरकारी सेवाओं में चयनित होना गांव के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील किसानों और युवाओं से संवाद किया। जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई और सोलर पंप जैसी योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। आरएएस परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कुशल चौधरी सहित चयनित युवाओं ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने रविवार रात कार्यक्रम के पश्चात गांव में रात्रि विश्राम किया तथा ग्रामीण परिवार के साथ भोजन कर आत्मीयता का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

75 साल की मां बनी बेटी की जिंदगी की उम्मीद किडनी दान कर पेश की ममता की मिसाल

एजेंसी

दमोह : मध्यप्रदेश के दमोह से मां के अटूट प्रेम और त्याग की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। यहां 75 वर्षीय मनोरमा असाटी ने अपनी गंभीर रूप से बीमार बेटी को नया जीवन देने के लिए अपनी किडनी दान कर दी। सफल ट्रांसप्लांट के बाद मां और बेटी दोनों स्वस्थ हैं और इस साहसिक फैसले की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। जानकारी के अनुसार दमोह निवासी कंचन असाटी पिछले करीब दस वर्षों से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। समय के साथ उनकी दोनों किडनियां खराब हो गईं और उन्हें नियमित डायलिसिस कराना पड़ रहा था। लगातार इलाज, अस्पतालों के चक्कर

और बढ़ते खर्च ने परिवार को मानसिक और आर्थिक रूप से बेहद परेशान कर दिया था। परिवार ने इलाज के लिए दिल्ली, इंदौर, हैदराबाद और हरियाणा समेत कई बड़े शहरों के विशेषज्ञ डॉक्टरों से संपर्क किया। जांच और सलाह के बाद डॉक्टरों ने साफ कर दिया कि किडनी ट्रांसप्लांट ही कंचन की जिंदगी बचाने का एकमात्र रास्ता है। हालांकि सबसे बड़ी मुश्किल उपयुक्त डोनर की थी। काफी कोशिशों के बाद भी कोई समाधान नहीं निकल पा रहा था। ऐसे कठिन समय में कंचन की मां मनोरमा असाटी ने खुद अपनी किडनी देने का फैसला किया। डॉक्टरों ने शुरूआत में उनकी उम्र को देखते हुए इस प्रक्रिया को जोखिमभरा बताया। चिकित्सकों के मुताबिक 75 वर्ष की उम्र में किडनी डोनेट करना आसान नहीं होता और इससे कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। लेकिन मनोरमा असाटी अपनी बेटी को बचाने के फैसले पर अडिग रहीं। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने उनकी विस्तृत मेडिकल जांच की। सभी रिपोर्ट अनुकूल आने के बाद ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया पूरी की गई। ऑपरेशन सफल रहा और कंचन असाटी को नया जीवन मिल गया। फिलहाल मां और बेटी दोनों डॉक्टरों की निगरानी में स्वस्थ हैं। परिवार के करीबी लोगों के मुताबिक यह संघर्ष सिर्फ बीमारी तक सीमित नहीं था। वर्ष 2024 में कंचन के पति डॉ. अमित आनंद असाटी का निधन हो गया था। पति के जाने के बाद बीमारी और बच्चों की जिम्मेदारी ने हालात और मुश्किल बना दिए थे। ऐसे समय में मनोरमा असाटी ने पूरे परिवार को संभाला और बेटी के इलाज में सबसे बड़ी ताकत बनकर खड़ी रहीं। इस घटना के सामने आने के बाद शहरभर में मनोरमा असाटी के साहस और ममता की सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक मेडिकल ट्रांसप्लांट नहीं, बल्कि मां के निस्वार्थ प्रेम और त्याग की ऐसी मिसाल है, जो हर किसी को भावुक कर देती है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर मुख्यमंत्री योगी की प्रदेशवासियों के लिए पाती

एजेंसी

लखनऊ : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को पाती लिखी है। उन्होंने कहा है कि मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। प्रदेश सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है। आगे लिखते हैं कि मेरे युवा साथियों, तकनीक समय की तरह है। तकनीक के साथ नहीं चलना, समय से पिछड़ जाना है। तकनीक के साथ चलने का अर्थ सुदृढ़ वर्तमान एवं स्वर्णिम भविष्य की दिशा में अग्रसर होना है। नवीनतम तकनीक सीखें, नवाचार अपनाएं एवं आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दिन पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के जरिए विश्व को देश की वैज्ञानिक प्रतिभा का एहसास दिलाया गया था। 11 मई को ही हंस-3 ने सफल उड़ान भरी, स्वदेशी त्रिशूल मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार भी है। आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई। सशक्त युवा प्रदेश की समृद्धि का आधार हैं। यूपी में रोबोटिक्स और एआई मिशन शुरू किया गया है। यूपी में डेटा सेंटर क्लस्टर की कार्यवाही चल रही है। यूपी सरकार टेक युवा समर्थ युवा योजना के जरिए युवाओं को आधुनिकतम प्रशिक्षण करवा रही है। सरकार का 'इनोवेट इन यूपी, स्केल फॉर द वर्ल्ड' मूलमंत्र है। योगी ने कहा कि हमारी सरकार

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर देने के कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के शीघ्र खत्म होने की संभावना काफी कम हो गई है। इसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी आ गई है, जिससे दुनिया भर के बाजार पर दबाव बन गया है। घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन

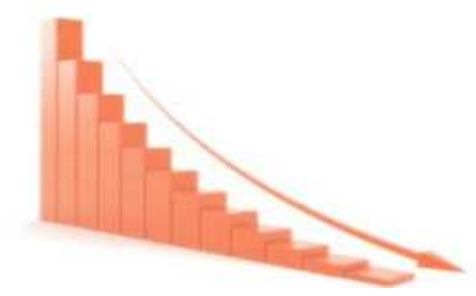

थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया। लगातार हो रही बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.31 प्रतिशत और निफ्टी 1.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

11 बजे तक का कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, कोल इंडिया, मैक्स हेल्थकेयर और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 3.26 प्रतिशत से लेकर 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी, इंटर ग्लोबल एविएशन, एसबीआई, एटरनल और भारती एयरटेल के शेयर 7.05 प्रतिशत से लेकर 3.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,839 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 708 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,131 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 25 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 610.10 अंक की कमजोरी के साथ 76,638.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक मामूली रिकवरी के साथ 76,678.52 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 1,100 अंक से भी अधिक टूट कर 76,165.57 अंक के स्तर तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 11 बजे सेंसेक्स 1,016.37 अंक की गिरावट के साथ 76,311.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 206.05 अंक लुढ़क कर 23,970.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक थोड़ा ऊपर उठ कर 23,986.80 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से यह सूचकांक फिसल कर 23,845.30 अंक तक आ गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 11 बजे निफ्टी 285.30 अंक की कमजोरी के साथ 23,890.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज IN ब्रीफ

शुभेंदु के सहायक चंद्रनाथ हत्या मामले में बिहार और यूपी से तीन आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता : वरिष्ठ भाजपा नेता वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ हत्या मामले में पुलिस ने अब तक तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मध्यग्राम थाने में दर्ज कांड संख्या 353/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान मिले विशेष सुरागों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर से तथा राज सिंह को उत्तर प्रदेश के बलिया से रविवार को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद सोमवार सुबह तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गत 5 में की रात शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

बांधवगढ़ में फिर बाघ की मौत, प्रबंधन ने बताया आपसी संघर्ष; उठे कई सवाल

उमरिया : विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक बार फिर बाघ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से वन विभाग और प्रबंधन पर सवाल खड़े हो गए हैं। खितौली परिक्षेत्र के पश्चिम बगदरी बीट इलाके में रविवार सुबह एक नर बाघ मृत अवस्था में मिला। प्रारंभिक जांच में पार्क प्रबंधन ने इसकी वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष को बताया है, लेकिन घटना को लेकर कई

तरह की शंकाएं भी सामने आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे ढमढमा कैंप के सुरक्षा कर्मियों ने जंगल में बाघों के लड़ने जैसी आवाजें सुनीं। इसके बाद गश्ती दल ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब तीन घंटे की तलाश के बाद एक बाघ का शव बरामद किया गया। सोमवार को सबांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि मृत बाघ की पहचान ह्लपुजारीह्व नामक नर बाघ के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब आठ वर्ष बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि बाघ के शरीर पर हमले के निशान मिले हैं और प्रथम दृष्टया मामला आपसी संघर्ष का लग रहा है। मौके पर बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं। प्रबंधन का दावा है कि यह बाघ अक्सर ह्लबी-1ह्व नामक दूसरे बाघ से डरता था और उसे देखते ही इलाके से हट जाता था। आशंका जताई जा रही है कि दोनों का आमना-सामना होने पर संघर्ष हुआ होगा, जिसमें पुजारी की मौत हो गई। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम पर सवाल भी उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि यदि संघर्ष इतना गंभीर था कि एक बाघ की मौत हो गई, तो दूसरा बाघ घायल अवस्था में क्यों नहीं मिला। यही नहीं, पहले भी बांधवगढ़ में बाघों की मौत के मामलों में अक्सर ह्लआपसी संघर्षह्व की बात सामने आती रही है, लेकिन दूसरे बाघ के घायल होने के प्रमाण नहीं मिले।

घटना के बाद क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। जांच के लिए हाथी गश्ती दल, डॉग स्क्वाड और मेटल डिटेक्टर टीम को भी लगाया गया है। वन विभाग का कहना है कि आगे की कार्रवाई राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (ठळठअ) की गाइडलाइन और एसओपी के तहत की जा रही है। बांधवगढ़ में लगातार सामने आ रही बाघों की मौत की घटनाओं ने एक बार फिर टाइगर संरक्षण और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग भी उठने लगी है।

रूपनगर में युवक की गोली मारकर हत्या, आरोपी ने ऑनलाइन कबूला जुर्म

रूपनगर : रूपनगर जिले के नूरपुर बेदी इलाके में रविवार रात पुरानी रंजिश में हत्या करने का मामला सामने आया है। गांव शाहपुर बेला निवासी की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, हरमोल सिंह हाल ही में एक हत्या मामले में करीब चार साल जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आया था। गांव के ही रहने वाले हरजोत सिंह सिद्धू ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात के बाद आरोपी हरजोत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर हत्या की जिम्मेदारी ली। वीडियो में उसने दावा किया कि हरमोल सिंह ने करीब चार साल पहले उसके भाई की हत्या की थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि जमानत पर आने के बाद हरमोल उसे और उसके परिवार को लगातार धमका रहा था, जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। आरोपी ने अपने बयान में कहा कि इस हत्या के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है और उसने यह काम अकेले किया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी आनंदपुर साहिब जसंदीप सिंह मान ने बताया कि हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है और पुलिस टीमों को आरोपी की तलाश में लगाया गया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

वैल्यू 148 कम्युनिकेशंस की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली : मार्केटिंग और पीआर सॉल्यूशन कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 78.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 82.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक फिलहाल 16.02 प्रतिशत के नुकसान में थे। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस का 41.69 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से छह मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.77 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 4,24,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए।

न्यूज IN ब्रीफ

मातृ दिवस पर छाता का किया गया वितरण

रांची : मातृ दिवस के अवसर पर प्रयास एक नई पहल द्वारा खप्परसाई गांव में छाता वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रयास एक नई पहल की सचिव सीमा टिर्की ने कहा कि हमारी संस्था द्वारा हर साल ग्रीष्म ऋतु में ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के बीच छाता का वितरण किया जाता है। गांव के छोटे छोटे बच्चों के बीच छाता के साथ ही साथ राज किशोर साहू द्वारा लिखित पुस्तकों का भी वितरण किया गया। अध्यक्ष गुरमुख सिंह खोखर ने कहा कि बच्चे पढ़ लिखकर शिक्षित बने यही हम सब का लक्ष्य है। कोषाध्यक्ष संध्या सुरीन नें सभी बच्चों को पढ़ाई में ध्यान देने को कहा। राज किशोर साहू नें कहा कि शिक्षा ही इंसान को तरक्की का मार्ग प्रशस्त करती है। दिव्या शर्मा ने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्ररित किया। नेहा निषाद ने बच्चों के बीच वस्त्र वितरित किए। जोबा मल्लिक, शीतल, आस्था एवं बच्चों को प्रतिदिन फ्री कोचिंग क्लास कर रही राधिका देवगम का भी सराहनीय सहयोग रहा।

बिजली शिकायतों के त्वरित समाधान के लिये उपायुक्त की पहल

मेदिनीनगर : जिले में बिजली से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने महत्वपूर्ण पहल की है।उपायुक्त ने विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया है कि विद्युत शिकायतों के निष्पादन हेतु एक डेडिकेटेड व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाये।इस ग्रुप में सभी अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम), अंचल अधिकारी (सीओ) के साथ-साथ विद्युत विभाग के कनीय एवं सहायक अभियंताओं को भी जोड़ा जायेगा।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि सभी सीओ अपने-अपने क्षेत्र में बिजली पोल क्षतिग्रस्त होने, बिजली तार पर पेड़ गिरने, ट्रांसफार्मर जलने एवं बिजली से जुड़ी अन्य समस्याओं की सूचना तत्काल इस ग्रुप में साझा करेंगे।इसके बाद संबंधित कनीय एवं सहायक अभियंता द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जायेगा तथा निष्पादन के पश्चात कार्य से संबंधित फोटो भी ग्रुप में साझा किया जायेगा।उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि बढ़ती गर्मी, बारिश एवं तेज हवा के कारण बिजली से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं, लेकिन बिजली एक अत्यावश्यक सेवा है।ऐसे में आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिये शिकायतों का त्वरित समाधान बेहद जरूरी है।

एसआईआर सहायता केंद्र का रांची में उद्घाटन

रांची : आम जनता की सहायता एवं जागरूकता के उद्देश्य से झारखंड तंजीम द्वारा एसआईआर सहायता केंद्र के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन मंगलवार को ग्लैक्सी कॉम्प्लेक्स, मेन रोड, राँची में किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम थे।
इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों को सही जानकारी, मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ़रक्क सहायता केंद्ऱ के माध्यम से आम जनता को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक मुद्दों एवं जागरूकता अभियानों से जोड़ा जाएगा।
कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र समाज के विभिन्न वर्गों के लिए लाभकारी साबित होगा तथा लोगों को आवश्यक सहायता प्राप्त करने में सहूलियत मिलेगी। झारखंड तंजीम के मीडिया प्रभारी सरवर खान ने बताया कि संगठन का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक सहायता और जागरूकता की सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस केंद्र के माध्यम से विभिन्न सामाजिक एवं जनहित कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। मौके पर आसीफ खान, फहीम अहमद, अब्दुल रहमान, तनवीर गद्दी आरीफ खान समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला की सख्ती से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप

मेदिनीनगर : पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल में एसडीपीओ (ब्ढर) दिव्यांश शुक्ला के नेतृत्व में अवैध खनन और बालू परिवहन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी है। रविवार कि सुबह हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीनगर के समीप निमहत इलाके से पुलिस ने अवैध बालू लदे एक स्वराज ट्रैक्टर को जब्त किया है । गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला और थाना प्रभारी चंदन कुमार की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा। हालांकि पुलिस को देखते ही चालक मौके से फरार हो गया। जांच में पता चला कि ट्रैक्टर बिना वैध चालान के ट्रैक्टर बालू परिवहन कर रहा था। एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला ने स्पष्ट कहा कि हुसैनाबाद क्षेत्र में अवैध खनन, बालू उठाव और अवैध परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके लगातार अभियान और सख्त रवैये से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।बतादे कि एसडीपीओ की सक्रियता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और अवैध गतिविधियों पर लगाम लग रही है। पुलिस अब ट्रैक्टर मालिक और चालक की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई कि भी तैयारी कर रही है।

किसानों के पास पहुंच बढ़ाने की जरूरत : सीमा सिंह

जमशेदपुर : किसानों के बीच में जाकर उनकी समस्याओं को सुनना होगा और उसका समाधान निकालने का प्रयास करना होगा और इन सभी के लिए जरूरत है वैज्ञानिकों का किसानों के साथ सीधा संपर्क होना। इसके लिए हम वैज्ञानिकों को किसानों से संपर्क करने के साथ-साथ उनके खेतों में अपनी पहुंच बढ़ानी होगी। यह बात कृषि विज्ञान केंद्र दारीसाई की प्रमुख सीमा सिंह ने सोमवार को की गई वैज्ञानिक सत्र की बैठक में कही। उन्होंने बताया कि पिछले साल किए गए कार्यों की अनुभव और कमियों को देखते हुए वर्तमान वित्त वर्ष 2025 26 में किसानों के खेत में अपनी योग्यता के अनुसार काम करने की आवश्यकता है।

रोलिंग स्टोन एकेडमी में मातृ दिवस मनाया गया

संवाददाता

चक्रधरपुर एवं चाईबासा स्थित रोलिंग स्टोन एकेडमी में मातृ दिवस का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं के प्रेम, त्याग एवं समर्पण को सम्मान देना था, जो बच्चों के जीवन निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
इस अवसर पर बच्चों एवं उनकी माताओं ने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों, खेलों, नृत्य प्रस्तुतियों तथा सहभागिता कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम और आभार व्यक्त करने के लिए सुंदर कार्ड, संदेश एवं प्रस्तुतियाँ दीं।
पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर खुशी, मुस्कान और भावुक पलों से सराबोर रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माता-पिता एवं बच्चों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करना था।
इस अवसर पर एकेडमी की निदेशक सुहरीता रॉय ने कहा, ₹मां बच्चे की पहली गुरु, मार्गदर्शक और सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। रोलिंग स्टोन एकेडमी में हम मानते हैं कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव भी उतने ही आवश्यक हैं। मातृ दिवस समारोह सभी माताओं के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक छोटा सा प्रयास है।
कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटोग्राफी एवं जलपान के साथ हुआ। यह आयोजन एक बार फिर बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं मजबूत पारिवारिक मूल्यों के प्रति एकेडमी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

हजारीबाग सदर थाना प्रभारी के रूप में चंद्रशेखर कुमार ने प्रभार ग्रहण किया

बिनय मिश्रा

हजारीबाग के पुलिस कप्तान अमन कुमार के द्वारा बरही थाना के अंचल पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार को सदर थाना हजारीबाग का थाना प्रभारी बनाया गया।आज उन्होंने अपना पदभार ग्रहण किया। 2012 बैच के पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार चक्रधरपुर के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक तथा बरही के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक रह चुके हैं उन्होंने पदभार ग्रहण करने के पश्चात कहा कि - पुलिस और आम जनों के बीच बेहतर और प्रगाढ़ संबंध स्थापित किए जाएंगे अपराध नियंत्रण और बेहतर विधि व्यवस्था उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जननायक समिति ने महिलाओं ने बीच किया वस्त्र का वितरण

संवाददाता

चक्रधरपुर : सामाजिक संस्था जननायक समिति के तत्वावधान में आंध्र तेलुगू समाज की महिलाओं द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच व्यापक रूप से कपड़ों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से महिलाओं ने अपनापन, स्नेह और परोपकारिता की अद्भुत मिसाल पेश की।
महिलाओं ने कहा कि किसी की पीड़ा को समझना और उसे दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है। उनका मानना है कि परोपकार और सेवा भाव समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। इस पुनीत कार्य को करने के बाद सभी महिलाओं ने असीम सुख और संतोष की अनुभूति होने की बात कही।
कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने भविष्य में भी जननायक समिति एवं अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से ऐसे सेवा कार्य लगातार जारी रखने का संकल्प लिया। गौरतलब है कि आंध्र तेलुगू समाज की महिलाएं समय-समय पर मानव कल्याण और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं, जो निश्चित रूप से सराहनीय, प्रेरणादायी और अनुकरणीय है।
समाज के लोगों ने महिलाओं की मानवता, संवेदनशीलता और परोपकारिता की भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं।

प्रखंड टॉपर निभा कुमारी को डब्लू राय ने किया सम्मानित, कहा- मेहनत से हर मुकाम संभव

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड की मेधावी छात्रा निभा कुमारी को इंटर आर्ट्स परीक्षा में प्रखंड टॉपर एवं पलामू जिले में सातवां स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। पूर्व मुखिया प्रत्याशी सह समाजसेवी नवल किशोर राय उर्फ डब्लू राय ने छात्रा को गिफ्ट एवं मिठाई देकर सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।
सम्मान समारोह के दौरान डब्लू राय ने कहा कि निभा कुमारी ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे प्रखंड का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां अब शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नया मुकाम हासिल कर रही हैं, जो समाज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने अन्य छात्र-छात्राओं से भी निभा की सफलता से प्रेरणा लेने की अपील की।
उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की असली कुंजी है। निभा ने जिस प्रकार सीमित संसाधनों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, वह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।
इस मौके पर निभा कुमारी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के समर्थन से ही यह उपलब्धि हासिल हो सकी है। आगे भी पूरी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखते हुए जेपीएससी की तैयारी कर क्षेत्र एवं राज्य का नाम रोशन करना चाहती हैं।
गौरतलब है कि निभा कुमारी ने इंटर आर्ट्स परीक्षा में 441 अंक प्राप्त कर नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस सफलता से गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों एवं अभिभावकों ने भी निभा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

न्यायपालिका के निष्पक्ष निर्णय का स्वागत : ह्रदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ह्रदयानंद मिश्र ने पूर्व मंत्री श्री आलमगीर आलम को न्यायालय से जमानत प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह निर्णय भारतीय न्यायपालिका की निष्पक्षता, स्वतंत्रता एवं संवैधानिक गरिमा का सशक्त उदाहरण है।श्री मिश्र ने कहा कि भारत की न्यायपालिका लोकतंत्र का वह मजबूत स्तंभ है, जिस पर देश की करोड़ों जनता का अटूट विश्वास टिका हुआ है। अदालत द्वारा दिए गए प्रत्येक निर्णय का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का नैतिक दायित्व है।
उन्होंने कहा,ह्लपूर्व मंत्री श्री आलमगीर आलम को न्यायालय से मिली जमानत यह दशार्ती है कि भारतीय लोकतंत्र में न्याय की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप संचालित होती है। न्यायपालिका ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कानून की निगाह में सभी समान हैं तथा सत्य और न्याय की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है।
ह्रदयानंद मिश्र ने आगे कहा कि इस निर्णय से कांग्रेस कार्यकताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्री आलमगीर आलम पुनः जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।उन्होंने अंत में कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं न्यायपालिका की गरिमा के प्रति प्रतिबद्ध रही है और आगे भी रहेगी।

दो जून की रोटी के लिए 10जून को मुख्यमंत्री आवास का घेर प्रदर्शन का निर्णय

झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष व शहादत की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करेंगे : पुष्कर महतो

संवाददाता

लोहरदगा : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, लोहरदगा जिला की बैठक आज ब्लॉक चौक स्थित सहकारिता भवन परिसर में हुई. बैठक में झारखंड आंदोलनकारियों के राजकीय मान सम्मान ,अलग पहचान , बाल बच्चों के रोजी रोजगार नियोजन की सौ प्रतिशत गारंटी तथा जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए सभी को सम्मान पेंशन 50- 50 हजार रु देने के सरकार के आश्वासन एवं संकल्प पर अमल नहीं होने को लेकर 10 जून 2026 को मुख्यमंत्री आवास का घेराव प्रदर्शन करने का निर्णय लिये. आंदोलनकारियों ने नारा लगाया कि दो जून की रोटी के लिए 10 जून को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे.20 मई को अगली बैठक सेन्हा प्रखंड में होगी.
मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि अबुआ सरकार में झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष व शहादत की उपेक्षा दुर्भाग्य की बात है. झारखंड अलग राज्य के मूल्यों व आंदोलनकारियों के सपनों पर कुठाराघात हो रहें हैं. हमारे संवैधानिक अधिकारों रोजी रोजगार नियोजन माय माटी, जल जंगल जमीन पर निरंतर हमला झारखंड आंदोलनकारियों के अस्तित्व, अस्मिता एवं पहचान को मिटाने का षड्यंत्र है.
श्री महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अपने बाल बच्चों के अधिकारों व स्वाभिमान की रक्षा के लिए मरने मिटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. उन्होंने कहा कि 30 सितंबर 2024 एवं 11 मार्च 2026 को सरकार ने झारखंड आंदोलनकारियों को जो आश्वासन दिया है तथा 2012 एवं 2021 के सरकारी संकल्पो का पालन नहीं होने के कारण वे आज एक बार फिर संघर्ष एवं शहादत देने के लिए बाध्य हुए हैं.
अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष रामनन्दन साहु ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को कमर कसकर अपनी लड़ाई स्वयं लड़नी है. 10 जून को बड़ी संख्या में आंदोलनकारी को परंपरागत अस्त्र-शस्त्र एवं अन्य व्यवस्था के साथ चलना. वरिष्ठ सचिन अमानत अंसारी ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान से ही अबुआ सरकार की लोकप्रियता व पहचान है. उन्होंने कहा कि वर्ष 1992 में बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव ने कहा कि झारखंड मेरी लाश में बनेगा आंदोलनकारियों ने इसे चुनौती से लिए, आक्रोश में आए आज राज्य बनने के 26 साल बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड आंदोलनकारियों के लाश में सम्मान पेंशन देना चाहती है क्या!. अगर ऐसी बात है तो हमलोग कोई भी कुबार्नी देने को तैयार हैं.
वरीय आंदोलनकारी ताहिर अंसारी ने कहा कि सरकार झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान के साथ सम्मान अन्यथा उसे सत्ता में बैठे रहने का नैतिक अधिकार नहीं है.
कार्यक्रम का संचालन हरि गोप तथा धन्यवाद ज्ञापन मनमोहन साहू ने की. अंत में चित्र कोटा रातु निवासी झारखंड आंदोलनकारी महेंद्र उरांव के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का शोक व्यक्त किया गया.
इस मौके पर अनंत राम,ताहिर अंसारी,छेदी अंसारी, शाहिद अंसारी, सुरेन्द्र ठाकुर, अमानत अंसारी,पंचम नथ शाहदेव, सूकारो देवी, जसिंता केरकेट्टा, हरि उरांव, फुलदेव भगत, लाल बैधनाथ शाहदेव, कलीम अंसारी, सलीम अंसारी,हाजी सुल्तान अंसारी, केले उरांव, राजेंद्र उरांव, शमसाद अंसारी, मकबूल अंसारी, फूलो देवी, अकबर खान, मो रज्जाक अंसारी, रामजी उरांव,बसीता देवी, लीला देवी, तुलसी महतो नूरजहां बीबी, हीरा देवी, एडयानी कुजुर, निर्मला तिग्गा, इलिसाबा देवी, रोयल कुमारी बारी हाकिम अंसारी, महिद्रा मिस्त्री, जोहन मिंज, रति पाहन, सुखदेव उरांव , गुरुपाल भगत, बंदे उरांव, करमा भगत, बिशुवा, सोहराई उरांव, प्रभु उरांव, शिवनंदन साहु, इरमियां मिंज, गोपाल महतो, बिरसनी देवी, परमेश्वर भगत, दशरथ साहु, समशुल अंसारी, जाबिर अंसारी, नारायण साहु, केले उरांव, हरि उरांव सहित अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे.